PROGRAMME GUIDE

2024-25

M.A.Hindi (MHD)

CENTRE FOR DISTANCE AND ONLINE EDUCATION

JAMIA MILLIA ISLAMIA

(A Central University By An Act of Parliament)

NAAC Accredited Grade "A+"

सीडीओई संदेश

प्रिय विद्यार्थियों,

हमें आप सभी को दूर शिक्षा कार्यक्रम के तहत **एम. ए. हिन्दी** पाठ्यक्रम के लिए जामिया मिल्लिया इस्लामिया के दूरस्थ एवं ऑनलाइन शिक्षा केंद्र में स्वागत करते हुए खुशी हो रही है।

यह बताने की आवश्यकता नहीं है कि शिक्षा राष्ट्र और व्यक्तित्व के विकास के लिए अनिवार्य हिस्सा है। विभिन्न सामाजिक संरचनात्मक समस्याओं, विभाजनकारी एवं प्रतिकूल सामाजिक व्यवस्था में हमारे ग्रस्त अस्तित्व को बचाने के लिए विभिन्न सरकारें संघर्षरत रही हैं। सामाजिक न्याय गाँधी जी का सपना था। नेहरू जी को सामाजिक समानता और समतावादी समाज के लिए शिक्षा ही एक उपयुक्त हथियार मिला था। दूरस्थ शिक्षा भारत भर में बहुआयामी साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए अपनाए जाने वाले साधनों में से एक है। यह न सिर्फ सामाजिक गतिशीलता और आजीवन शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए है, बल्कि भारतीय समाज के बुनियादी मूल्यों, जैसे लोकतन्त्र, धर्मनिरपेक्षता, सामाजिक न्याय और अवसर की समानता को बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

इन मूल्यों का समर्थन और साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए अपनी प्रतिबद्धता के साथ जामिया मिल्लिया इस्लामिया शिक्षार्थियों के दरवाजे तक प्रयासरत है। जामिया मिल्लिया इस्लामिया का दूरस्थ एवं मुक्त अधिगम केन्द्र रोजगार उन्मुक्त उच्च शिक्षा के क्षेत्र में समग्र नामांकन अनुपात के विकास की प्रक्रिया में गुणवत्तापूर्ण शिक्षण प्रशिक्षण के द्वारा महत्वपूर्ण योगदान प्रदान कर रही है।

मैं आपके शैक्षणिक प्रयासों में सफलता की कामना करता हूँ।

प्रोफेसर जसीम अहमद
ऑनरेरी निदेशक

विषय-वस्तु

1. पाठ्यक्रम के विषय में.....**4**

1.1 प्रस्तावना.....4
1.2 कार्यक्रम की अवधि.....4
1.3 निर्देश की भाषा.....4
1.4 कार्यक्रम शुल्क.....4
1.5 पाठ्यक्रम की विस्तृत संरचना.....5
1.6 विस्तृत पाठ्यक्रम विवरण.....6

2. परामर्श सत्र.....**74**

2.1 शिक्षण प्रणाली.....74

3. अकादमिक सारणी.....**74**

4. अध्ययन केन्द्र.....74

5. मूल्यांकन योजना.....**74**

5.1 सत्रीय कार्य.....74
5.2 सत्रांत (छमाही/अर्धवार्षिक) परीक्षा.....75
5.2.1 सत्रांत (छमाही / अर्धवार्षिक) परीक्षा फॉर्म.....75
5.2.2 छमाही/अर्धवार्षिक परीक्षा की दिनांक सारणी.....75

6. छमाही/अर्धवार्षिक परीक्षा परिणाम.....**76**

6.1 परीक्षा परिणाम की घोषणा.....76
6.2 परिवेदना (ग्रीवैन्स) समिति.....76
6.3 कार्यक्रम के अगले छमाही / अर्धवार्षिक सत्र में प्रवेश हेतु.....76
6.4 प्राप्तांकों का पुनर्मूल्यांकन.....76
6.5 परीक्षा-परिणाम में सुधार.....77

7. सामान्य निर्देश.....**77**

8. फॉर्म.....**82**

कार्यक्रम संयोजक

डॉ० शीरीन सलीम
सीडीओई, जामिया मिल्लिया इस्लामिया
नई दिल्ली-110025

1. पाठ्यक्रम के विषय में

1.1 प्रस्तावना

विद्यार्थियों की विविध प्रकार की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए हमने एम.ए. कार्यक्रम द्वारा रचनात्मक एवं आलोचनात्मक क्षमताओं तथा कौशलों का विकास करने को अध्ययन का आधार बनाया है। एम. ए. हिन्दी का उद्देश्य विद्यार्थियों को हिन्दी भाषा और साहित्य की विस्तृत एवं ठोस जानकारी उपलब्ध कराना है, साथ ही वे साहित्य के आस्वादन और विश्लेषण - मूल्यांकन की अपनी क्षमता का विकास भी कर सकेंगें। हमारा प्रयत्न यह भी है कि विद्यार्थी अपनी रूचि के विशिष्ट क्षेत्र में विशेषज्ञता भी प्राप्त करे जो उसके लिए ज्ञान एवं रोज़गार दोनों का मार्ग प्रशस्त करेगा। विशेषज्ञता के ऐसे क्षेत्र विद्यार्थियों को विकल्प के रूप में उपलब्ध होंगे जिनकी जानकारी आगे दी गई है।

1.2 कार्यक्रम की अवधि

एम. ए. (हिन्दी) कार्यक्रम को पूरा करने के लिए अवधि

कार्यक्रम की न्यूनतम अवधि: 4 छमाही (अर्धवार्षिक) / 2 वर्ष

कार्यक्रम की अधिकतम अवधि: 8 छमाही (अर्धवार्षिक) / 4 वर्ष

1.3 निर्देश की भाषा

हिन्दी

1.4 कार्यक्रम का शुल्क

प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के प्रारम्भ में ₹10,000 प्रति वर्ष (दो छमाही / अर्धवार्षिक) का अग्रिम भुगतान किया जाना होगा।

1.5 पाठ्यक्रम की विस्तृत संरचना

इस शैक्षिक कार्यक्रम की संरचना चार स्तरीय होगी। प्रत्येक स्तर में अनिवार्य पाठ्यक्रम सम्मिलित है। प्रत्येक के लिए 500 अंक निर्धारित किये गए हैं। पाठ्यक्रम की विस्तृत संरचना का विवरण इस प्रकार है :-

सत्र-1

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सी.बी.सी.एस.	क्रेडिट	अंक विवरण		
					सत्रांत परीक्षा	सत्रीय कार्य	पूर्णांक
1	DMLH-101	हिन्दी साहित्य का इतिहास		4	75	25	100
2	DMLH-102	मध्यकाल-I		4	75	25	100
3	DMLH-103	मध्यकाल-II		4	75	25	100
4	DMLH-104	वैकल्पिक पाठ्यक्रम (क) जायसी (ख) तुलसीदास (ग) घनानन्द (घ) कबीर*	DMLHX-11 **समकालीन कथा साहित्य	4	75	25	100
				4	75	25	100
कुल अंक				**20**	**375**	**125**	**500**

पाठ्यक्रम प्रबंधन कार्यरत है।

****पाठ्यक्रम परिवर्तन की सम्भावना है।***

सत्र-2

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सी.बी.सी.एस.	क्रेडिट	अंक विवरण		
					सत्रांत परीक्षा	सत्रीय कार्य	पूर्णांक
1	DMLH-201	भारतीय एवं पाश्चात्य आधुनिक साहित्य सिद्धांत		4	75	25	100
2	DMLH-202	हिन्दी भाषा का इतिहास		4	75	25	100
3	DMLH-203	आधुनिक कविता-I		4	75	25	100
4	DMLH-204	वैकल्पिक पाठ्यक्रम (क) भारतेंदु हरिश्चंद्र* (ख) जयशंकर प्रसाद (ग) निराला (घ) महादेवी वर्मा	DMLHX-21 **आधुनिक कविता	4	75	25	100
				4	75	25	100
कुल अंक				**20**	**375**	**125**	**500**

पाठ्यक्रम प्रबंधन कार्यरत है।

****पाठ्यक्रम परिवर्तन की सम्भावना है।***

सत्र-3

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सी.बी.सी.एस.	क्रेडिट	अंक विवरण		
					सत्रांत परीक्षा	सत्रीय कार्य	पूर्णांक
1	DMLH-301	नाटक और रंगमंच		4	75	25	100
2	DMLH-302	आधुनिक कविता-II		4	75	25	100
3	DMLH-303	हिन्दी कहानी		4	75	25	100
4	DMLH-304	वैकल्पिक पाठ्यक्रम (क) फणीश्वरनाथ रेणु (ख) अज्ञेय (ग) हबीब तनवीर* (घ) हजारी प्रसाद द्विवेदी	DMLHX-31 **गद्य विधाएं	4	75	25	100
				4	75	25	100
कुल अंक				**20**	**375**	**125**	**500**

पाठ्यक्रम प्रबंधन कार्यरत है।

****पाठ्यक्रम परिवर्तन की सम्भावना है।***

सत्र-4

क्रम संख्या	पाठ्यक्रम कोड	पाठ्यक्रम का शीर्षक	सी.बी.सी.एस.	क्रेडिट	अंक विवरण		
					सत्रांत परीक्षा	सत्रीय कार्य	पूर्णांक
1	DMLH-401	हिन्दी आलोचना		4	75	25	100
2	DMLH-402	कथेतर गद्य		4	75	25	100
3	DMLH-403	हिन्दी उपन्यास		4	75	25	100
4	DMLH-404	वैकल्पिक पाठ्यक्रम (क) भारतीय साहित्य (ख) संस्कृत साहित्य (ग) उर्दू साहित्य (घ) लोक साहित्य*	DMLHX-41 **नाटक एवं रंगमंच	4	75	25	100
				4	75	25	100
कुल अंक				**20**	**375**	**125**	**500**

पाठ्यक्रम प्रबंधन कार्यरत है।

****पाठ्यक्रम परिवर्तन की सम्भावना है।***

1.6 विस्तृत पाठ्यक्रम विवरण

प्रथम वर्ष

सत्र-1

सत्र-1

पाठ्यक्रम-1: (DMLH - 101) हिन्दी साहित्य का इतिहास

खण्ड -1. हिन्दी साहित्येतिहास लेखन का परिचय

इकाई -1. हिन्दी साहित्य के इतिहास-लेखन की परम्परा
इकाई - 2. साहित्येतिहास के पुनर्लेखन की समस्याएँ
इकाई - 3. काल- विभाजन एवं नामकरण
इकाई - 4. आदिकालीन साहित्य

खण्ड -2. मध्यकाल

इकाई - 5. भक्तिकाल की सामाजिक- सांस्कृतिक और ऐतिहासिक पृष्ठभूमि
इकाई - 6. भक्ति की विविध धाराएँ
इकाई - 7. रीतिकाल : दरबारी संस्कृति एवं सौन्दर्यबोध
इकाई - 8. रीति साहित्य की विभिन्न धाराएँ

खण्ड - 3. आधुनिक काल

इकाई - 9. हिन्दी नवजागरण का विकास
इकाई - 10. खड़ी बोली हिन्दी काव्य : भारतेन्दु युग
इकाई - 11. द्विवेदी युग
इकाई - 12. छायावाद
इकाई - 13. प्रगतिवाद, प्रयोगवाद
इकाई - 14. नई कविता, अकविता, जनवादी कविता, समकालीन कविता

खण्ड - 4. गद्य साहित्य

इकाई - 15. खड़ी बोली गद्य साहित्य का इतिहास: भाग-1
इकाई - 16. खड़ी बोली गद्य साहित्य का इतिहास: भाग-2
इकाई - 17.नाटक और निबंध
इकाई - 18. उपन्यास और कहानी
इकाई - 19. अन्य विधाएँ: संस्मरण, रेखाचित्र , रिपोर्ताज, यात्रावृत्त , जीवनी, आत्मकथा, पत्रसाहित्य एवं डायरी लेखन

(उपर्युक्त सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।)

अनुमोदित ग्रंथ:

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचन्द्र शुक्ल
2. हिन्दी साहित्य और सम्वेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
3. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	बच्चन सिंह
4. हिन्दी साहित्य के इतिहास की समस्याएँ	अवधेश प्रधान
5. हिन्दी साहित्य की भूमिका	हजारीप्रसाद द्विवेदी
6. हिन्दी साहित्य का आदिकाल	हजारीप्रसाद द्विवेदी

7. हिन्दी साहित्य का अतीत	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
8. हिन्दी साहित्य का इतिहास	सं. डॉo नगेन्द्र
9. साहित्य का इतिहास दर्शन	नलिन विलोचन शर्मा
10. साहित्य और इतिहास दृष्टि	मैनेजर पाण्डेय
11. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल की इतिहास दृष्टि	महेन्द्रपाल शर्मा
12. हिन्दी साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामकुमार वर्मा
13. हिन्दी साहित्य का वैज्ञानिक इतिहास	गणपतिचन्द्र गुप्त
14. हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास	विश्वनाथ त्रिपाठी

पाठ्यक्रम-2: (DMLH - 102) मध्यकाल-1

खण्ड-1 भक्ति काव्य का परिचय

इकाई - 1. भक्ति काव्य की पृष्ठभूमि
इकाई - 2. भक्ति आंदोलन
इकाई - 3. भक्ति का स्वरूप और विकास
इकाई - 4. युगीन परिवेश

खण्ड-2 भक्ति काव्य की विभिन्न धाराएं

इकाई - 5. भक्ति काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं विभिन्न धाराएं
इकाई - 6. संत काव्य धारा और सूफी काव्य धारा
इकाई - 7. रामभक्ति काव्य और कृष्णभक्ति काव्य धारा
इकाई - 8. लोक-सम्बद्धता और भक्ति काव्य
इकाई - 9. भक्ति काव्य की भाषा एवं शिल्प विधान

खण्ड -3 निर्धारित पाठ

इकाई - 10. कबीर के पद

- हमारे गुर दीन्हीं अजब जरी
- दुलहिनी गावहु मंगलचार
- संतो ई मुरदन कै गाउं
- हम न मरैं मरिहैं संसारा
- रस गगन गुफा मैं अजर झरे

इकाई - 11. कबीर की साखियाँ

- सतगुर मेरा सूरिवां
- जाके मुंह माथा नहीं
- पानी ही तैं हिम भया
- बिरहा बिरहा मत करौ

इकाई -12. जायसी : (मानसरोदक खंड, जायसी ग्रंथावली, सं. रामचन्द्र शुक्ल)
इकाई -13. सूरदास: पद

- अविगत गति कछु कहत न आवै
- संदेसो देवकी सों कहियो
- बूझत स्याम कौन तू गोरी
- आये जोग सिखावन पांड़े
- अंखिया हरि दरसन की भूखीं

- पिउ बिन नागिन कारी रात
- हरि हैं राजनीति पढ़ि आये
- ऊधौ मोहिं ब्रज बिसरत नाहीं

खण्ड-4. निर्धारित पाठ

इकाई -14. तुलसीदास : अयोध्या कांड (रामचरितमानस)

चलत पयादें खात फल... से लेकर राम सैल सोभा निरखि... तक, (छंद सं. 222 से236)

इकाई - 15. रसखान : सवैया / दो सुखने

- मानुष हौं तो वही रसखानि
- वा लकुटी अरु कामरिया पर
- धूरि भरे अति सोभित स्यामजू
- जा दिन तें वह नंद को छोहरा
- नहीं के सनेहन सानी रहैं
- खंजन नैन फंदे पिंचरा छबि
- काहू को माखन चाखि गयौ
- प्रेम प्रेम सब कोउ कहत
- अति सूछम कोमल अतिहि

इकाई - 16 .मीराबाई:

- बसयां म्हारे णेणण मां नंदलाल
- म्हां गिरधर आगां णाच्यारी
- म्हारां री गिरधर गोपाल दूसरां णां कूयां
- नहिं सुख भावे थंरो देसलड़ो रंगरूड़ो
- राणाजी थे क्यांने राखो म्हांसूं बैर
- पग बांध घूंघर्यां णाच्यांरी
- राणो जी थे जहर दियो म्हे जाणी
- हेरी म्हा तो दरद दिवाणां

(मीरांबाई की पदावली : सं. परशुराम चतुर्वेदी)

निर्देश : खण्ड तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ:

1. कबीर	हजारीप्रसाद
2. जायसी	विजयदेवनारायण साही
3. सूफी मत: साधना और साहित्य	रामपूजन तिवारी
4. हिन्दी काव्य की निर्गुण धारा में भक्ति	श्यामसुंदर शुक्ल

5. जायसी	सं. सदानंद साही
6. सूरदास	रामचन्द्र शुक्ल
7. महाकवि सूरदास	नंददुलारे वाजपेयी
8. सूर साहित्य	हजारीप्रसाद द्विवेदी
9. गोस्वामी तुलसीदास	रामचन्द्र शुक्ल
10. गोसाईं तुलसीदास	विश्वनाथप्रसाद मिश्र
11. भक्ति काव्य और लोकजीवन	शिवकुमार मिश्र
12. भक्ति काव्य की भूमिका	प्रेमशंकर
13. लोकवादी तुलसीदास	विश्वनाथ त्रिपाठी
14. भक्ति काल में भारतीय रहस्यवाद	राधेश्याम दूबे
15. मीरा का काव्य	विश्वनाथ त्रिपाठी
16. सूरदास	मैनेजर पाण्डेय
17. कबीर अकेला	रमेशचन्द्र मिश्र
18. कबीर- अकथ कहानी प्रेम की	पुरुषोत्तम अग्रवाल

पाठ्यक्रम-3: (DMLH - 103) मध्यकाल-2

खण्ड - 1. रीतिकाव्य का परिचय

इकाई - 1. रीतिकालीन परिवेश और रीतिकाव्यपरंपरा
इकाई - 2. दरबारी संस्कृति
इकाई - 3.सामंती संस्कृति और लोक संस्कृति
इकाई - 4.काव्य-रूप

खण्ड - 2. रीतिकाव्य का स्वरूप

इकाई - 5. लक्षण ग्रंथों का प्रभाव
इकाई - 6. रीतिकाव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
इकाई - 7. रीतिकाव्य की विभिन्न धाराएँ
इकाई - 8. रीतिकालीन सौंदर्यबोध
इकाई - 9. रीतिकाव्य की भाषा

खण्ड - 3. निर्धारित पाठ

इकाई - 10. केशव दास : रामचंद्रिका - दूसरा प्रकाश
इकाई - 11. देव : कवित्त - सवैया

- देव सबै सुखदायक संपति
- औचक अगाध सिंधु स्याही को उमड़ि आयो
- रीझि-रीझि रहसि-रहसि हंसि-हंसि उठै
- रावरो रूप रह्यो भरि नैननि
- बालम बिरह जिन जान्यो न जनम भरि
- सांसन ही सौं समीर गयो
- ऐसो जो हौं जानतो कि जैहै तू विषै के संग
- सांधी सुध बुंदन सौ कुन्दन की बेलि किधौं

इकाई -12. बिहारी : दोहे

- मेरी भव बाधा हरौ
- मैं समुझ्यौ निराधार
- अति अगाध अति औथरो
- आवत जात न जानियत
- तंत्र नाद कबित्त रस
- कहत नटत रीझत खिझत
- सहज सेत पंचतोरिया
- दृग उरझत टूटत कुटुम
- औंधाई सीसी सु लखि

- अजौं तरयौना ही रह्यौ
- जौ वाके तन की दसा
- घाम घरीक निवारियै

खण्ड - 4. निर्धारित पाठ

इकाई -13. घनानंद : कवित्त-सवैया (घनानंद कवित्त : सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

- जासों प्रति ताहि निठुराई सों निपट नेह
- हीन भएं जल मीन अधीन
- पहिलें घनआनंद सींचि सुजान
- रावरे रूप की रीति अनूप
- आसा गुन बांधि के भरोसो - सिल धरि छाती
- नैनन में लागे जाय, जागे सु करेजे बीच
- अति सूधो सनेह को मारग है
- उर-भौन मैं मौन को घूंघट कै

इकाई -14. पद्माकर : कवित्त-सवैया

- घर ना सुहात ना सुहात बन-बाहर हू
- गोकुल के कुल के गली के गोप-गांवन के
- जाहिरै जागत सी जमुना, जब बूड़े
- बोलति न काहे एरी, पूछे बिन बोलौ कहा
- कूलन में केलि में कछारन में कुंजन में
- औरै भांति कुंजन में गुंजरत भौंर-भीर
- लागत बसंत के सु पाती लिखी प्रीतम कों
- फाग के भीर अभीरन मैं

इकाई -15. रहीम : बरवै

- बंदौं देबि सरदवा
- लहरत लहर लहरिया
- खीन मलीन बिखभैया
- कासों कहौं संदेसवा
- लैके सुघर खुरपिया
- लोग लुगाई हिल मिल

इकाई -16. रहीम : दोहे

- अच्युत चरन तरंगिनी

- कदली सीप भुजंग मुख
- खीरा सिर तें काटिये
- छिमा बड़ेन को चाहिए
- रहिमन प्रीति सराहिये
- रहिमन याचकता गहे
- ये रहीम दर दर फिरहिं

निर्देश : खण्ड तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. रहीम रचनावली	सं. विद्यानिवास मिश्र
2. घनानन्द का काव्य	रामदेव शुक्ल
3. दरबारी संस्कृति और हिन्दी मुक्तक	त्रिभुवन सिंह
4. बिहारी : नया मूल्यांकन	बच्चन सिंह
5. सनेह को मारग	इमरै बंघा
6. हिन्दी साहित्य का अतीत	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

पाठ्यक्रम – 4: (DMLH - 104) (क) जायसी

खण्ड - 1. सूफीमत का परिचय

इकाई - 1. भारत में सूफीमत का विकास
इकाई - 2. मध्यकालीन भक्ति साधना और सूफीमत
इकाई - 3. सूफीमत की परम्परा
इकाई - 4. फारसी और हिन्दी सूफी काव्य
इकाई - 5. रहस्यवाद : कबीर और जायसी के रहस्यवाद की तुलना

खण्ड - 2. जायसी और सूफीमत

इकाई - 6. सूफी प्रेमाख्यान की परम्परा और जायसी का काव्य
इकाई - 7. जायसी की कविता में लोक तत्व
इकाई - 8. सूफीमत और जायसी की कविता
इकाई - 9. काव्य रूप और काव्य भाषा
इकाई -10. जायसी की काव्यगत विशेषताएं

खण्ड - 3. निर्धारित पाठ

इकाई - 11. प्रेम खंड
इकाई - 12. सिंहलदीप खंड
इकाई - 13. नागमती वियोग खंड
इकाई - 14. पद्मावती-नागमती-सती खंड

(पद्मावत - सं. रामचन्द्र शुक्ल)

खण्ड - 4. निर्धारित पाठ

इकाई - 15. अखरावट, सं. रामचन्द्र शुक्ल : छंदः 1-15
इकाई - 16. आखिरी कलाम, सं. रामचन्द्र शुक्ल : छंदः 14-28

निर्देश : खण्ड तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछेजाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. जायसी	विजयदेवनारायण साही
2. जयासी ग्रंथावली(भूमिका)	रामचन्द्र शुक्ल
3. हिन्दी सूफी काव्य का समस्त अनुशीलन	शिव सहाय पाठक
4. मलिक मुहम्मद जायसी और उनका काव्य	शिव सहाय पाठक
5. सूफी मत साधना और साहित्य	रामपूजन तिवारी
6. हिन्दी के सूफी प्रेमाख्यान	चन्द्रबली पाण्डेय
7. मध्ययुगीन प्रेमाख्यान	श्याम मनोहर पाण्डेय
8. मध्ययुगीन रोमांचक आख्यान	नित्यानंद तिवारी
9. मध्यकालीन कविता में सांस्कृतिक समन्वय	अब्दुल बिस्मिल्लाह

पाठ्यक्रम – 4: (DMLH-104) (ख) तुलसीदास

खण्ड - 1. भक्तिकाल और तुलसी

इकाई -1. भक्तिकालीन परिवेश और तुलसी की कविता
इकाई -2. तुलसी की भक्ति
इकाई - 3. तुलसी का दर्शन
इकाई - 4. तुलसी का समय और समाज

खण्ड - 2. तुलसी - काव्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई - 5. लोकमंगल एवं समन्वय की भावना
इकाई - 6. रामकाव्य की परम्परा और तुलसी
इकाई - 7. काव्य-रूप एवं काव्य-भाषा
इकाई - 8. तुलसीदास का सौन्दर्यबोध

खण्ड - 3. निर्धारित पाठ

इकाई - 9. रामचरितमानस (गीता प्रेस) : बालकांड (जनक वाटिका प्रसंग- 227 से 233 तक)
इकाई - 10. रामचरितमानस (गीता प्रेस) : बालकांड (जनक वाटिका प्रसंग- 234 से 239 तक)
इकाई - 11. विनय पत्रिका (गीता प्रेस) : पद सं. 66, 72, 73, 76, 79
इकाई - 12 विनय पत्रिका (गीता प्रेस) : पद सं. 105,111, 157, 162, 174

खण्ड - 4. निर्धारित पाठ

इकाई - 13. कवितावली (गीता प्रेस) :बालकांड- 1, 3, 5
इकाई - 14. अयोध्या कांड 1, 2
इकाई - 15. उत्तर कांड 96, 97, 98, 99, 100
इकाई -16. रामलला नहछू (गीता प्रेस): सम्पूर्ण

निर्देश : खण्ड तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. गोस्वामी तुलसीदास	रामचन्द्र शुक्ल
2. गोसाईं तुलसीदास	विश्वनाथ प्रसाद मिश्र
3. लोकवादी तुलसीदास	विश्वनाथ त्रिपाठी
4. तुलसी दर्शन मीमांसा	उदयभानु सिंह
5. भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास	रामविलास शर्मा
6. तुलसी आधुनिक वातायन से	रमेशकुंतल मेघ
7. मध्यकालीन कविता में सांस्कृतिक समन्वय	अब्दुल बिस्मिल्लाह

पाठ्यक्रम – 4: (DMLH-104) (ग) घनानंद

खण्ड - 1. रीतिकाल और घनानंद

इकाई - 1. रीतिकालीन परिवेश और घनानंद
इकाई - 2. रीतिकाव्य की परम्परा में घनानंद
इकाई - 3. रीतिमुक्त काव्य धारा और घनानंद
इकाई - 4. घनानंद का प्रेम विषयक दृष्टिकोण

खण्ड - 2. घनानंद का काव्यबोध

इकाई - 5. घनानंद की प्रेमानुभूति
इकाई - 6. घनानंद की विरहानुभूति
इकाई - 7. घनानंद का काव्य-सौंदर्य
इकाई - 8. घनानंद की काव्य-भाषा

खण्ड - 3. निर्धारित पाठ - कवित्त सवैया

इकाई - 9. छंद सं. भाग 1 - 1, 6, 12, 13, 15, 16
इकाई - 10. छंद सं. भाग 2 - 23, 27, 33,34, 39, 43
इकाई - 11. छंद सं. भाग 3 - 51, 59, 60, 68, 70, 82
इकाई - 12. छंद सं. भाग 4 - 84, 86, 91, 92, 93, 97, 104.

खण्ड - 4. निर्धारित पाठ- कवित्त सवैया

इकाई - 13. छंद सं. भाग 1 - 106, 128, 131, 135, 146, 152
इकाई - 14 छंद सं. भाग 2 - 159, 163, 169, 186, 189, 195
इकाई -15 छंद सं. भाग 3 - 205, 208, 212, 267, 274, 324
इकाई - 16 छंद सं. भाग 4 - 428, 435, 478, 491, 493, 496, 500.

(घनानंद कवित्त: सं. आचार्य विश्वनाथ प्रसाद मिश्र)

निर्देश : खण्ड तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. घनानंद का काव्य	रामदेव शुक्ल
2. सनेह को मारग	इमरे बघा
3. दरबारी संस्कृति और हिन्दी मुक्तक	त्रिभुवन सिंह
4. रीति काव्य की भूमिका	नगेन्द्र
5. हिन्दी साहित्य और सम्वेदना का विकास	रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास	बच्चन सिंह

पाठ्यक्रम - 4: 104-DMLH (घ) कबीर

खण्ड - 1. कबीर युगीन पृष्ठभूमि

इकाई - 1. मध्ययुग की पूर्वपीठिका
इकाई - 2. संत साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि
इकाई - 3. भक्तिकालीन धर्मसाधना और कबीर
इकाई - 4. कबीर की सामाजिक चेतना

खण्ड - 2. कबीर संम्बधी आलोचना के आयाम

इकाई - 5. कबीर की कविता में लोक और शास्त्र
इकाई - 6. कबीर की कविता का दार्शनिक पक्ष
इकाई - 7. कबीर की प्रासंगिकता
इकाई - 8. कबीर की कविता में प्रेम तत्व

खण्ड - 3. व्यावहारिक समीक्षा

इकाई - 9. पद भाग 1-: सतगुरु महिमा-,1 ,2 4; प्रेम- ,5 10, ,11 ;17 ,12 नाऊँ महिमा -20,22 ;
साधू महिमा-,28 32; करुना बीनती-36, 37,39 , ;41 ,40परचा-50, 52, 55, 56; सूरातन -59
इकाई10 -. पद भाग 2-: उपदेश चेतानी-60, 61, 63, 65, 66, 73, 76, 80, 83; भगती संजीवनी-116;
अनभईभेद बानी-110, 114, 116, 124, 126, 134; निरंजन राम-153; माया-162;
निंदक साकत-166; भेख आडम्बर-175; भरम बिधुसन-180,181, 187
इकाई11 -. साखी भाग 1-: सतगुरु महिमा कौ अंग -2, 3, 4, 7, 9, 15, 18, 20, 22, 23, 27, 30;
प्रेम विहार कौ अंग -1, 3, 4, 5, 6, 7, 11, 17, 20, 23, 41
इकाई12 -. साखी भाग : 2- साध महिमा कौ अंग-7, 10, 11; दीनता बीनती कौ अंग-1, 3, 7, 14, 18, 30, 33;
परचा कौ अंग-2, 6, 7, 8, 9, 10, 15;
इकाई13 -. रमैनी- 1, 3, 7, 9, 14

(कबीर ग्रंथावली- संपादक : डॉ० पारसनाथ तिवारी)

खण्ड - 4. कबीर काव्य और शिल्प

इकाई 14-. कबीर के राम
इकाई 15-. कबीर की रहस्य भावना (ज्ञान और प्रेम का समन्वय)
इकाई 16-. कबीर की भाषा
इकाई 17-. उलटबांसी

निर्देश : खण्ड - 1, 2और 4 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे 3x10=45
खण्ड 3 - से व्यवहारिक समीक्षा पूछी जाएगी 3x 103=0

अनुमोदित ग्रंथ :

1. कबीर	प्रसाद द्विवेदी हजारी
2. कबीर की विचारधारा	गोविन्द त्रिगुणामृत
3. कबीर एक नई दृष्टि	रघुवंश

4. कबीर की साहित्यक परख	परशुराम चतुर्वेदी
5. कबीर अकेला	रमेशचंद्र मिश्र
6. कबीर वाणी और विचार	रमेशचंद्र मिश्र
7. कबीर के आलोचक	डॉ धर्मवीर
8. अकथ कहानी प्रेम की	पुरुषोत्तम अग्रवाल
9. 'सापेक्ष' का कबीर विशेषांक	

प्रथम वर्ष

सत्र-2

सत्र –2

पाठ्यक्रम – 5: (DMLH-201) भारतीय एवं पाश्चात्य आधुनिक साहित्य सिद्धांत

खण्ड -1. भारतीय साहित्य सिद्धांत : विभिन्न सम्प्रदाय

इकाई - 1. रस
इकाई - 2. अलंकार
इकाई - 3. रीति
इकाई - 4. ध्वनि
इकाई - 5. वक्रोक्ति

खण्ड - 2. आधुनिक पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत - I

इकाई -6. अभिव्यंजनावाद
इकाई - 7. कल्पना सिद्धांत
इकाई - 8. मार्क्सवादी साहित्य सिद्धांत
इकाई - 9 .रूपवाद

खण्ड - 3 . आधुनिक पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत - ॥

इकाई - 10. मनोविश्लेषणवाद
इकाई - 11. अस्तित्त्ववाद
इकाई - 12. नई समीक्षा

खण्ड - 4. आधुनिक पाश्चात्य साहित्य सिद्धांत -III

इकाई - 13. आधुनिकतावाद
इकाई - 14. संरचनावाद
इकाई - 15 .उत्तर-संरचनावाद

निर्देश : उपर्युक्त सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. काव्यशास्त्र की भूमिका	डॉ. नगेन्द्र
2. भारतीय काव्यशास्त्र	सत्यदेव चौधरी
3. नई समीक्षा के प्रतिमान	निर्मला जैन
4. साहित्य चिंतन	देवेन्द्र इस्सर
5. पाश्चात्य साहित्य चिंतन	निर्मला जैन, कुसुम बांठिया
6. मार्क्सवाद क्या है	यशपाल
7. आज के जमाने में मार्क्सवाद का महत्व	एजाज़ अहमद
8. संरचनावाद, उत्तर-संरचनावाद एवं प्राच्य काव्यशास्त्र	गोपीचंद नारंग

9. मार्क्सवादी साहित्य चिंतन — डॉ.शिवकुमार मिश्र
10. आधुनिक परिवेश और अस्तित्त्ववाद — शिवप्रसाद सिंह
11. वित्तीय पूँजी और उत्तर-आधुनिक — राजेश्वर सक्सेना
12. अस्तित्त्ववाद और मानववाद — ज्यां पॉल सार्त्र
13. आधुनिकतावाद और साहित्य — दुर्गा प्रसाद गुप्त
14. आधुनिकतावाद — दुर्गा प्रसाद गुप्त
15. उत्तर-आधुनिकता और उत्तर-संरचनावाद — सुधीश पचौरी
16. साहित्य सिद्धांत — रेनेवेलेक, ऑस्टिन वारेन
17. उत्तर-आधुनिकता : विभ्रम और यथार्थ — रवि श्रीवास्तव
18. आधुनिकतावाद और यथार्थवाद — दुर्गा प्रसाद गुप्त

पाठ्यक्रम-6: (DMLH-202) हिन्दी भाषा का इतिहास

खण्ड – 1. हिन्दी भाषा का विकास

इकाई - 1. प्रमुख भाषा परिवार और हिन्दी
इकाई - 2. हिन्दी का प्रारम्भिक रूप
इकाई - 3. अवहट्ठ और पुरानी हिन्दी
इकाई - 4. डिंगल और पिंगल

खण्ड - 2. हिन्दी की प्रमुख विभाषाएँ और बोलियाँ

इकाई - 5. विभाषा- पूर्वी हिन्दी, पश्चिमी हिन्दी,
इकाई - 6. बिहारी, राजस्थानी और पहाड़ी
इकाई - 7. प्रमुख बोलियाँ: ब्रज, अवधी, भोजपुरी

खण्ड - 3. हिन्दी भाषा के प्रमुख रूप

इकाई - 8. रेख्ता
इकाई - 9. हिन्दवी
इकाई - 10. दकनी
इकाई - 11. खड़ी बोली : हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी

खण्ड - 4. आधुनिक युग में हिन्दी

इकाई - 12. अंग्रेजों की भाषा - नीति
इकाई - 13. खड़ीबोली आंदोलन (गद्य)
इकाई - 14. खड़ीबोली आंदोलन (पद्य)
इकाई - 15. हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी के अंतःसंबंध
इकाई - 16. राजभाषा के रूप में हिन्दी

निर्देश: उपर्युक्त सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. हिन्दी भाषा का इतिहास	डॉ. भोलानाथ तिवारी
2. भारतीय भाषा विज्ञान	आचार्य किशोरीदास वाजपेयी
3. हिन्दी भाषा : उद्भव और विकास	हरदेव बाहरी
4. हिन्दी भाषा का समाजशास्त्र	रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव
5. भाषा और समाज	रामविलास शर्मा
6. भारत की भाषा समस्या	रामविलास शर्मा
7. हिन्दी भाषा का उद्गम और विकास	उदयनारायण तिवारी
8. भाषाशास्त्र की रूपरेखा	उदयनारायण तिवारी
9. पुरानी हिन्दी	चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
10. हिन्दी भाषा	श्यामसुंदर दास
11. हिन्दी के विकास में अपभ्रंश का योग	नामवर सिंह

पाठ्यक्रम-7: (DMLH-203) आधुनिक कविता - I

खण्ड - 1. नवजागरणकालीन हिन्दी काव्य

इकाई - 1. नवजागरण का स्वरूप और विकास
इकाई - 2. नवजागरण और सामाजिक-सांस्कृतिक एवं राष्ट्रीय चेतना
इकाई - 3. भारतेन्दु युगीन काव्य
इकाई - 4. द्विवेदी युगीन काव्य

खण्ड -2. छायावाद की प्रवृत्तियाँ

इकाई - 5. छायावाद
इकाई - 6. राष्ट्रीय-सांस्कृतिक काव्यधारा
इकाई - 7. आधुनिक कविता की प्रवृत्तियाँ
इकाई - 8. आधुनिक कविता का सौन्दर्यबोध

खण्ड – 3. निर्धारित पाठ

इकाई - 9. भारतेंदु हरिश्चन्द्र : हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान
इकाई - 10. मैथिलीशरण गुप्त - भाग -1: साकेत (नवम सर्ग से)

- वेदने तू भी भली बनी
- मैं निज अलिंद में खड़ी थी
- लाई सखि मालिनें थीं डाली
- निरख सखी ये खंजन आए
- पूछी थी सुकाल दशा मैंने आज देवर से

इकाई - 11. मैथिलीशरण गुप्त - भाग -2**:** साकेत (नवम सर्ग से)

- हम राज्य लिए मरते हैं
- प्रभु को निष्कासन मिला
- शिशिर न फिर गिरि वन में
- मुझे फूल मत मारो
- यही आता है इस मन में

इकाई - 12. जयशंकर प्रसाद : लज्जा सर्ग (कामायनी)

खण्ड - 4. निर्धारित पाठ

इकाई - 13. सुमित्रानंदन पंत : प्रथम रश्मि, बादल, सांध्य तारा
इकाई - 14. निराला : जूही की कली, सरोज-स्मृति
इकाई - 15. महादेवी वर्मा :

- मैं नीर भरी दुख की बदली,
- बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ

- कीर का प्रिय आज पिंजर खोल दो,
- पंथ होने दो अपरिचित
- रात के उर में दिवस की चाह का शर हूँ

इकाई - 16. दिनकर : 'रथ सजा, भेरियाँ धमक उठीं' से लेकर 'संहार देह धर खड़ा जहाँ तक' (सप्तम सर्ग- रश्मिरथी)

निर्देश : खण्ड तीन एवं चार से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछेजाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ	रामविलास शर्मा
2. महावीर प्रसाद और हिन्दी नवजागरण	रामविलास शर्मा
3. कविता से साक्षात्कार	मलयज
4. लम्बी कविताओं का रचनाविधान	सं. नरेन्द्र मोहन
5. साकेत : एक अध्ययन	डॉ. नगेन्द्र
6. निराला की साहित्य साधना	रामविलास शर्मा
7. कामायनी : एक पुनर्मूल्यांकन	रामस्वरूप चतुर्वेदी
8. सुमित्रानंदन पंत	डॉ. नगेन्द्र
9. कवि सुमित्रानंदन पंत	नंददुलारे वाजपेयी
10. महादेवी वर्मा	इन्द्रनाथ मदान
11. पंत, प्रसाद और मैथिलीशरण गुप्त	रामधारी सिंह दिनकर
12. कामायनी : एक पुनर्विचार	मुक्तिबोध
13. मैथिलीशरण गुप्तः प्रासंगिकता के अंतः सूत्र	कृष्णदत्त पालीवाल
14. महादेवी की रचना प्रक्रिया	कृष्णदत्त पालीवाल
15. महादेवी	दूधनाथ सिंह
16. महादेवी के काव्य का नेपथ्य	विजय बहादुर सिंह

पाठ्यक्रम-8: (DMLH-204) (क) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

खण्ड - 1. आधुनिक काव्य और भारतेन्दु

इकाई - 2. हिन्दी नवजागरण एवं भारतेन्दु

इकाई - 3. भारतेन्दु मंडल की भूमिका

इकाई - 4. आधुनिकता और नई भाषा की निर्मिति

खण्ड – 2. भारतेन्दु : विविध विधाएँ

इकाई - 5. हिन्दी पत्रकारिता और भारतेन्दु

इकाई - 6. भारतेन्दु की कविता

इकाई - 7. भारतेन्दु के नाटक

इकाई - 8. भारतेन्दु के निबंध

खण्ड – 3. कविताएँ

इकाई - 9. कविताएँ -1

- प्रेम सरोवर
- प्रबोधिनी
- नये जमाने की मुकरी

इकाई -10. कविताएँ -2

- हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान
- प्रात समीरन

खण्ड - 4. नाटक , निबंध , यात्रा वृत्तांत

इकाई - 11. भारत दुर्दशा - नाटक

इकाई - 12. विषस्य विषमौषधम् - नाटक

इकाई - 13. नीलदेवी - नाटक

इकाई - 14. स्वर्ग में विचार सभा का अधिवेशन , लेवी प्राण लेवी - निबंध

इकाई - 15. भारत वर्षोन्नति कैसे हो सकती है , जातीय संगीत - निबंध

इकाई - 16. सरयूपार की यात्रा - यात्रा वृत्तांत

निर्देश: खण्ड -3 से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरणकी समस्याएँ	रामविलास शर्मा
2. हरिश्चंद्र	शिवनंदन सहाय
3. हिन्दी नवजागरण और संस्कृति	शंभुनाथ
4. नाटककार भारतेन्दु की रंग कल्पना	सत्येन्द्र तनेजा
5. भारतेन्दु के नाटक	भानुदेव शुक्ल

6. भारतेन्दु का नाट्य साहित्य	धीरेन्द्र कुमार शुक्ल
7. रस्साकशी	वीरभारत तलवार
8. हिन्दी नवजागरण	वीरभारत तलवार

पाठ्यक्रम-8: (DMLH-204) (ख) जयशंकर प्रसाद

खण्ड - 1. नवजागरण और जयशंकर प्रसाद

इकाई - 1. नवजागरणकालीन परिवेश और प्रसाद
इकाई - 2. नवजागरण, राष्ट्रीयता और प्रसाद
इकाई - 3. छायावादी काव्य-दृष्टि और प्रसाद
इकाई - 4. प्रसाद का इतिहास-बोध

खण्ड - 2. प्रसाद-काव्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई - 5. प्रसाद की दार्शनिक चेतना
इकाई - 6. महाकाव्य, आख्यान और आधुनिक
इकाई - 7. प्रसाद की नाट्य चेतना
इकाई - 8. भाषिक चेतना एवं काव्य रूप

खण्ड - 3. कविताएँ

इकाई - 9. कामायानी : चिंता सर्ग
इकाई - 10 आँसू :

- इस करुणा कलित हृदय में
- ये सब स्फुलिंग हैं मेरी
- जो घनीभूत पीड़ा थी
- शशि मुख पर घूंघट डाले
- बाँधा था विधु को किसने
- मुख- कमल समीप सजे थे
- मानव जीवन वेदी पर
- सबका निचोड़ लेकर तुम

इकाई - 11. प्रलय की छाया
इकाई - 12. अरुण यह मधुमय देश
इकाई - 13. बीती विभावरी

खण्ड - 4. गद्य साहित्य

इकाई - 14. उपन्यास : कंकाल
इकाई - 15. कहानियाँ: 1. ग्राम 2. गुंडा 3. आकाशदीप
इकाई - 16. नाटक : 1. चंद्रगुप्त 2. ध्रुवस्वामिनी

निर्देश : खण्ड तीन से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. जयशंकर प्रसाद	नन्ददुलारे वाजपेयी
2. प्रसाद का काव्य	प्रेमशंकर
3. छायावाद	नामवर सिंह
4. कामायनी : एक पुनर्विचार	मुक्तिबोध
5. कामायनी का पुनर्मूल्यांकन	रामस्वरूप चतुर्वेदी
6. छायावाद की प्रासंगिकता	रमेशचन्द्र शाह

पाठ्यक्रम- 8: (DMLH-204) (ग) निराला

खण्ड - 1. नवजागरण और निराला

इकाई - 1. निराला का युगीन परिदृश्य
इकाई - 2. नवजागरण, स्वाधीनता आंदोलन और निराला
इकाई - 3. छायावादी काव्य संस्कार और निराला
इकाई - 4. निराला की प्रगतिशीलता और नया मानवतावाद

खण्ड - 2. निराला काव्य की प्रवृत्तियाँ

इकाई - 5. सामंतवाद और उपनिवेशवाद
इकाई - 6. निराला का आत्मसंघर्ष और काव्य चेतना
इकाई - 7. गीत, प्रगीत और मुक्त छंद
इकाई - 8. निराला की भाषा

खण्ड - 3. कविताएँ

इकाई - 9. राम की शक्तिपूजा
इकाई - 10. सरोज स्मृति
इकाई - 11. (प्रिय) यामिनी जागी
इकाई - 12. जागो फिर एक बार (दोनों भाग)
इकाई - 13. भिक्षुक
इकाई - 14. बांधो न नाव इस ठाँव बंधु

खण्ड – 4 गद्य साहित्य : उपन्यास , कहानियाँ , निबंध

इकाई - 15. उपन्यास : अलका ,कुल्ली भाट
इकाई - 16. कहानियाँ : देवी , अर्थ
इकाई - 17. निबंध : मेरे गीत और कला ,हिन्दू-मुस्लिम कवियों का विचार साम्य

निर्देश: खण्ड तीन से व्यावहारिक समीक्षा तथा सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. निराला की साहित्य साधना (तीनों भाग)	रामविलास शर्मा
2. निराला : एक पुनर्मूल्यांकन	धनंजय वर्मा
3. निराला : एक आत्महंता आस्था	दूधनाथ सिंह
4. क्रांतिकारी कवि निराला	बच्चन सिंह
5. निराला	रामविलास शर्मा
6. साहित्य स्रष्टा निराला	राजकुमार सैनी
7. निराला की जातीय चेतना	नीरज कुमार

पाठ्यक्रम- 8: (DMLH-204) (घ) महादेवी वर्मा

खण्ड - 1. छायावादी युग और प्रवृत्तियाँ

इकाई - 1. नवजागरण और छायावाद
इकाई - 2. राष्ट्रीय चेतना
इकाई - 3. महादेवी और स्त्री चिंतन
इकाई - 4. छायावादी काव्य : दृष्टिकोण और महादेवी वर्मा

खण्ड - 2. महादेवी और छायावाद

इकाई - 5. महादेवी की दार्शनिक चेतना
इकाई - 6. प्रेम की विरह
इकाई - 7. रहस्यवाद
इकाई - 8. मानवता और विश्वबन्धुत्व
इकाई - 9. शिल्प विधान

खण्ड - 3. महादेवी वर्मा का काव्य

इकाई - 10. काव्य भाग-I

- रजतकरो की मृदुल तुलिका
- मैं अनंत पथ में लिखती जो
- वे मुस्काते फूल, नहीं
- मैं कम्पन हूँ तू करुण राग
- जो तुम आ जाती एक बार

इकाई - 11. काव्य भाग-II

- दिया क्यों जीवन का वरदान?
- अलि कैसे उनकों पाऊं?
- आज क्यों तेरी वीणा मौन?
- वीणा भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी हूँ
- मधुर मधुर मेरे दीपक जला

खण्ड - 4. महादेवी वर्मा का गद्य साहित्य

इकाई - 12. कहानी - बिंदा, भक्तिन
इकाई - 13. रेखाचित्र - रविन्द्रनाथ ठाकुर (पथ के साथी)
इकाई - 14. निबंध - शृंखला की कड़ियाँ- I
इकाई - 15. निबंध - शृंखला की कड़ियाँ- II

निर्देश: इकाई तीन से व्यावहारिक समीक्षा तथा अन्य सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अंक विभाजन: आंतरिक मूल्यांकन - 25
सैद्धांतिक पक्ष- आलोचनात्मक प्रश्न: 5 x 2 = 30
व्यवहारिक पक्ष- 10 x 3 = 30
टिप्पणी- 5 x 3 = 15

अनुमोदित ग्रंथ :

1. नवजागरण और महादेवी वर्मा का रचना-कर्म स्त्री-विमर्श के स्वर	कृष्णदत्त पालीवाल
2. महादेवी वर्मा की विश्वदृष्टि	तोमोको किकुची
3. छायावाद	नामवर सिंह
4. महादेवी वर्मा की कविता का नेपथ्य	विजय बहादुर सिंह
5. भारतीय स्वच्छन्दतावाद और छायावाद	प्रेमशंकर

द्वितीय वर्ष

सत्र-3

सत्र – 3

पाठ्यक्रम – 9: (DMLH - 301) नाटक और रंगमंच

खण्ड - 1. नाटक : परंपरा और विकास

इकाई - 1. नाटक और रंगमंच : स्वरूप एवं संरचना
इकाई - 2. नाटक की भारतीय परम्परा
इकाई - 3. नाटक की पाश्चात्य परम्परा
इकाई - 4. पारसी थिएटर
इकाई - 5. हिन्दी नाटक का विकास

खण्ड - 2. हिन्दी रंगमंच

इकाई - 6. हिन्दी रंगमंच का विकास
इकाई - 7. हिन्दी रंगमंच के विकास में अनूदित नाटकों की भूमिका
इकाई - 8. रंगमंच की विभिन्न शैलियाँ
इकाई - 9. रंगभाषा

खण्ड – 3. निर्धारित नाटक

इकाई - 10. अंधेर नगरी (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र): नाटक की विषयवस्तु, नाट्यकला
इकाई - 11. अंधेर नगरी (भारतेन्दु हरिश्चन्द्र): पात्रों का चरित्रचित्रण एवं भाषा
इकाई - 12. स्कंदगुप्त (जयशंकर प्रसाद): अंतर्वस्तु का विशलेषण एवं नाट्यकला
इकाई - 13. स्कंदगुप्त (जयशंकर प्रसाद): चित्राकंन, नाट्य शिल्प एवं रंगमंचीयता

खण्ड - 4. निर्धारित नाटक

इकाई - 14. आधे-अधूरे(मोहन राकेश): अंतर्वस्तु का विशलेषण एवं रंगमंचीयता
इकाई - 13. आधे-अधूरे(मोहन राकेश): पात्रों का चरित्रचित्रण, भाषा एवं नाट्य शिल्प का विश्लेषण
इकाई - 15. अंधा युग (धर्मवीर भारती): अंतर्वस्तु का विशलेषण, रंगमंचीयता एवं काव्यरूप
इकाई - 16. अंधा युग (धर्मवीर भारती): पात्रों का चरित्रचित्रण, भाषा एवं नाट्य शिल्प का विश्लेषण

निर्देश : सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. नाटक और रंगमंच	सं. गिरिश रस्तोगी
2. रंग दर्शन	नेमीचंद जैन
3. हिन्दी नाटक : उद्भव और विकास	दशरथ ओझा
4. हिन्दी नाटक	बच्चन सिंह
5. आज के रंग नाटक	सं. सुरेश अवस्थी
6. रंगभाषा	नेमिचंद्र जैन

7. नाटककार भारतेन्दु की रंग परिकल्पना	सत्येन्द्र तनेजा
8. प्रसाद का नाट्य-कर्म	सत्येन्द्र तनेजा

पाठ्यक्रम-10: (DMLH-302) आधुनिक कविता - 2

खण्ड - 1. छायावादोत्तर काव्य का परिचय

इकाई - 1. छायावादोत्तर काव्य,उत्तरछायावादी आंदोलनों की पृष्ठभूमि
इकाई - 2. प्रगतिवादी कविता
इकाई - 3. प्रयोगवादी कविता
इकाई - 4. नई कविता

खण्ड - 2. स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कविता

इकाई - 5. साठोत्तरी कविता
इकाई - 6. समकालीन कविता
इकाई - 7. प्रमुख विचारधाराएँ
इकाई - 8. काव्य-भाषा

खण्ड - 3. निर्धारित पाठ : कविताओ का विश्लेषण

इकाई - 9. अज्ञेय : हरी घास पर क्षण भर, दीप अकेला, नदी के द्वीप
इकाई -10. नागार्जुन : सिंदूर तिलकित भाल, अकाल और उसके बाद, बादल को घिरते देखा है
इकाई -11. मुक्तिबोध : ब्रह्मराक्षस, भूल गलती

खण्ड -4 निर्धारित पाठ : कविताओ का विश्लेषण

इकाई - 12. शमशेर बहादुर सिंह : एक पीली शाम, बात बोलेगी, उषा
इकाई - 13. धूमिल : मोचीराम, शब्द जहाँ सक्रिय हैं
इकाई -14. रघुवीर सहाय: रामदास, अधिनायक
इकाई -15. विष्णु खरे : इकबाल, बेटी

निर्देश : खण्ड तीन और चार से व्यावहारिक समीक्षा एवं सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ:

1. कविता के नये प्रतिमान	नामवर सिंह
2. नई कविता का आत्मसंघर्ष	मुक्तिबोध
3. समकालीन कविता का व्याकरण	परमानन्द श्रीवास्तव
4. कविता का जनपद	अशोक वाजपेयी
5.आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	नामवर सिंह
6. नई कविता और अस्तित्त्ववाद	रामविलास शर्मा
7.प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य	रेखा अवस्थी
8. कविता का अर्थात	परमानन्द श्रीवास्तव
9. शमशेर का काव्यलोक	जगदीश कुमार
10.अज्ञेय की काव्य तितिर्षा	नन्दकिशोर आचार्य
11.मुक्तिबोध की कविताई	अशोक चक्रधर
12.मुक्तिबोध : ज्ञान और संवेदना	नन्दकिशोर आचार्य

13.नागार्जुन का रचना संसार	विजय बहादुर सिंह
14.फिलहाल	अशोक वाजपेयी
15.मुक्तिबोध : स्वप्न और संघर्ष	कृष्णमोहन
16.नई कविता के अंक	सं. जगदीश गुप्त

पाठ्यक्रम-11: (DMLH - 303) हिन्दी कहानी

खण्ड - 1. कहानी का विकास

इकाई - 1. आख्यान और कथा - संरचना
इकाई - 2. आख्यायिका, कथा और कहानी
इकाई - 3. प्रारम्भिक हिन्दी कहानी
इकाई - 4. हिन्दी कहानी पर विभिन्न विचारधाराओं का प्रभाव

खण्ड - 2. हिन्दी कहानी का विकास

इकाई - 5. स्वाधीनता-पूर्व कहानी
इकाई - 6. नई कहानी एवं अन्य कहानी आंदोलन
इकाई - 7. समकालीन कहानी

खण्ड - 3. निर्धारित कहानियाँ

इकाई - 8. दुलाई वाली: बंग महिला
इकाई - 9. उसने कहा था: चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
इकाई - 10. नशा: प्रेमचन्द
इकाई - 11. देवरथ: जयशंकर प्रसाद
इकाई - 12. उसकी माँ: पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'
इकाई - 13. विपथगा: अज्ञेय

खण्ड - 4. निर्धारित कहानियाँ

इकाई - 14. लंदन की एक रात: निर्मल वर्मा
इकाई - 15. डिप्टी कलक्टरी: अमरकांत
इकाई - 16. अमृतसर आ गया है: भीष्म साहनी
इकाई - 17. यही सच है: मन्नू भंडारी
इकाई - 18. हास्य रस: ज्ञानरंजन
इकाई - 19. पार्टीशन: स्वयं प्रकाश

निर्देश : सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ:

1. कहानी नयी कहानी	नामवर सिंह
2. आज की हिन्दी कहानी	विजय मोहन सिंह
3. नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति	देवीशंकर अवस्थी
4. कुछ कहानियाँ : कुछ विचार	विश्वनाथ त्रिपाठी
5. कहानी : समकालीन चुनौतियाँ	शम्भू गुप्त
6. हिन्दी कहानी : अस्मिता की तलाश	मधुरेश
7. समकालीन कहानी का रचना विधान	गंगाप्रसाद विमल

8. हिन्दी कहानी :अंतरंग पहचान	रामदरश मिश्र
9. समकालीन हिन्दी कहानी	पुष्पपाल सिंह
10. कहानी समय	कृष्णमोहन

पाठ्यक्रम-12: (DMLH-304) (क) फणीश्वरनाथ रेणु

खण्ड - 1. रेणु और उनका समाज

इकाई - 1. स्वाधीन भारत का ग्राम-समाज
इकाई - 2. रेणु की आंचलिकता
इकाई - 3. रेणु की विचारधारा

खण्ड - 2. रेणु की कथा - संकल्पना

इकाई - 4. रेणु और याथार्थवाद
इकाई - 5. रेणु की पात्र परिकल्पना
इकाई - 6. रेणु की कथा-भाषा

खण्ड - 3. निर्धारित उपन्यास

इकाई - 7. मैला आंचल (कथावस्तु का विश्लेषण,संवाद योजना, एवं तात्विक समीक्षा)
इकाई - 8. मैला आंचल (पात्रों का चरितचित्रण, भाषा और शिल्प कला)
इकाई - 9. परती परिकथा(कथावस्तु का विश्लेषण,संवाद योजना, एवं तात्विक समीक्षा)
इकाई - 10. परती परिकथा(पात्रों का चरितचित्रण, भाषा और शिल्प कला)

खण्ड - 4. निर्धारित कहानियाँ एवं रिपोर्ताज

इकाई - 11. कहानियाँ : ठुमरी (कहानी संग्रह)
इकाई - 12. रिपोर्ताज : पटना- जलप्रलय उर्फ धनजल

निर्देश : सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुमोदित ग्रंथ:

1. रेणु संचयन	सुवास कुमार
2. मैला आंचल की रचना प्रक्रिया	देवेश ठाकुर
3. फणीश्वरनाथ रेणु	सुरेन्द्र चौधरी
4. आंचलिकता, यथार्थवाद और फणीश्वरनाथरेणु	सुवास कुमार
5. फणीश्वरनाथ रेणु अर्थात मृदंगिए का मर्म	सं. भारत यायावर
6. हिन्दी के आंचलिक उपन्यासों में जीवनसत्य	इन्दु प्रकाश पाण्डेय
7. रेणु से भेंट	सं. भारत यायावर

पाठ्यक्रम-12: (DMLH-304) (ख) अज्ञेय

खण्ड - 1. अज्ञेय का समय एवं समाज

इकाई - 1. तार सप्तक और अज्ञेय
इकाई - 2. प्रयोगवाद और अज्ञेय
इकाई - 3. कवि अज्ञेय
इकाई - 4. अज्ञेय और व्यक्तिवाद
इकाई - 5. अज्ञेय की काव्य-भाषा

खण्ड - 2. विचारधारा एवं गद्य रूप

इकाई - 6. अज्ञेय की साहित्य-दृष्टि
इकाई - 7. कथाकार अज्ञेय
इकाई - 8. अज्ञेय का गद्य
इकाई - 9. अज्ञेय की कथा- भाषा

खण्ड - 3. निर्धारित कविताएँ

इकाई - 10. कविताएँ भाग -1

- असाध्य वीणा
- हरी घास पर क्षण भर

इकाई - 11. कविताएँ भाग -2

- नदी के द्वीप
- पहला दौंगरा
- कलगी बाजरे की

इकाई - 12 .कविताएँ भाग -3

- सोन-मछली
- नाच
- कितनी नावों में कितनी बार

खण्ड - 4. निर्धारित कथा - साहित्य

इकाई - 13. उपन्यास: शेखर : एक जीवनी (दोनों भाग)
इकाई - 14. कहानी: रोज़, शरणदाता, जयदोल
इकाई - 15. यात्रा वृत्तांत: एक बूँद सहसा उछली (एक यूरोपीय चिंतक से भेंट) अरे यायावर रहेगा याद (मांझुली)

निर्देश : खण्ड 3 से व्यावहारिक समीक्षा एवं सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुमोदित ग्रंथ:

1. वागर्थ का वैभव	रमेशचन्द्र शाह
2. अज्ञेय की काव्य तितीर्षा	नन्दकिशोर आचार्य

3. अज्ञेय : काव्य का मूल्यांकन	चन्द्रकांत वांदिवडेकर
4. अज्ञेय : कवि कर्म का संकट	कृष्णदत्त पालीवाल
5. अज्ञेय : विचार का स्वराज्य	कृष्णदत्त पालीवाल
6.शब्दपुरुष अज्ञेय	नरेश मेहता
7. अज्ञेय : वन का छंद	गिरीश्वर मिश्र
8. अज्ञेय : आधुनिक रचना की समस्या	रामस्वरूप चतुर्वेदी
9. अज्ञेय : एक अध्ययन	भोला भाई पटेल
10. अज्ञेय : साहित्य और चिंतन	प्रेम सिंह
11. अज्ञेय	सं. विश्वनाथ तिवारी
12. अज्ञेय कुछ रंग कुछ राग	श्रीलाल शुक्ल
13. अज्ञेय की जीवन दृष्टि	केदार शर्मा
14. अज्ञेय अपने बारे में	रघुवीर सहायगोपालदास

पाठ्यक्रम-12: (DMLH-304) (ग) हबीब तनवीर

खण्ड - 1. रंगमंच और हबीब तनवीर

इकाई - 1. हिन्दी रंगमंच का विकास
इकाई - 2. रंगकर्म की परम्परा और हबीब तनवीर
इकाई - 3. विभिन्न रंगशैलियाँ और हबीब तनवीर
इकाई - 4. छत्तीसगढ़ी लोकनाट्य

खण्ड - 2. हबीब तनवीर की रंग- दृष्टि

इकाई - 5. नया थियेटर
इकाई - 6. रंगकर्मी हबीब तनवीर
इकाई - 7. हबीब तनवीर की रंग- भाषा
इकाई - 8. हबीब तनवीर की नाट्य-दृष्टि
इकाई - 9. हबीब तनवीर की विचारधारा

खण्ड - 3. निर्धारित नाटक

इकाई - 10. आगरा बाजार: अन्तर्वस्तु का विश्लेषण एवं नाट्यकला
इकाई - 11. आगरा बाजार : पात्रों का चरित्र चित्रण, संवाद योजना, भाषा और शैली
इकाई - 12. चरणदास चोर: अन्तर्वस्तु का विश्लेषण एवं नाट्यकला
इकाई -13.चरणदास चोर : रंगमंचीयता, संवाद योजना, भाषा और शैली

खण्ड - 4. निर्धारित नाटक

इकाई - 14. राजा हिरमा की अमर कहानी
इकाई - 15. बहादुर कलारिन अन्तर्वस्तु का विश्लेषण एवं नाट्यकला
इकाई - 16. बहादुर कलारिन रंगमंचीयता, संवाद योजना, भाषा और शैली

निर्देश: सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ:

1. हमने हबीब को देखा है	सं. राजेन्द्र शर्मा
2. रंग हबीब	भारतरत्न भार्गव
3. रंग दस्तावेज़ सौ साल (दो खंड)	सं. महेश आनंद
4. उर्दू थियेटर : कल और आज	सं. मख़मूर सईदी,अनीस आज़मी
5. रंग भाषा	नेमिचन्द्र जैन
6. भारतीय रंगकोष (दो खंड)	प्रतिभा अग्रवाल
7. परम्पराशील नाट्य	जगदीशचन्द्र माथुर
8. 'रंग प्रसंग' (हबीब तनवीर विशेषांक)	सं. प्रयाग शुक्ल
9. 'सापेक्ष' (हबीब तनवीर विशेषांक)	सं. महावीर अग्रवाल

पाठ्यक्रम-12: (DMLH-304) (घ) हजारी प्रसाद द्विवेदी

खण्ड - 1. हजारी प्रसाद द्विवेदी का साहित्य

इकाई - 1. हजारी प्रसाद द्विवेदी की इतिहास दृष्टि
इकाई - 2. नामकरण और काल विभाजन
इकाई - 3. इतिहास- लेखन
इकाई - 4. परंपरा का मुल्यांकन

खण्ड - 2.

इकाई - 5. हजारी प्रसाद की आलोचना दृष्टि
इकाई - 6. हिन्दी साहित्य का आदिकाल
इकाई - 7. संत साहित्य की सामाजिक पृष्ठभूमि
इकाई - 8. कबीर सम्बन्धी आलोचना
इकाई - 9. मध्ययुगीन भारतीय संस्कृति और हिन्दी

खण्ड - 3. कथा साहित्य

इकाई - 10. हिन्दी कथा साहित्य और हजारी प्रसाद दिवेदी
इकाई - 11. उपन्यास : बाणभट्ट की आत्मकथा, अनामदास का पोथा
इकाई - 12. कहानियाँ: प्रतिशोध अछूत, मंत्र-तंत्र, व्यवसाय बुद्धि
इकाई - 13. हजारी प्रसाद द्विवेदी की कथा भाषा एवं शैली

खण्ड - 4. ललित निबंध

इकाई - 14. अशोक के पूल (निबन्ध संग्रह)
इकाई - 15. हजारी प्रसाद द्विवेदी की निबंध शैली

निर्देश: खण्ड -3 से व्यवहारिक समीक्षा तथा अन्य सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगे।

अंक विभाजन : आंतरिक मूल्यांकन: 25
सैद्धांतिक पक्ष: आलोचनात्मक प्रश्न: 15 x 2 = 30
व्यावाहारिक पक्ष: 10 x 3 = 30
टिप्पणी: 5 x 3 = 15

अनुमोदित ग्रंथ :

1. दूसरी परम्परा की खोज	नामवर सिंह
2. साहित्य और इतिहास दृष्टि	मैनेजर पाण्डेय
3. व्योमकेश दरवेश	विश्वनाथ त्रिपाठी
4. आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी : व्यक्तित्व एवं साहित्य	गणपति चन्द्र गुप्त
5. कबीर के कुछ और आलोचक	डॉ. धर्मवीर

द्वितीय वर्ष

सत्र-4

सत्र-4

पाठ्यक्रम-13: (DMLH - 401) हिन्दी आलोचना

खण्ड - 1. आलोचना की अवधारणा

इकाई - 1. आलोचना का स्वरूप
इकाई - 2. प्रारम्भिक हिन्दी आलोचना भाग -1
इकाई - 3. प्रारम्भिक हिन्दी आलोचना भाग -2

खण्ड - 2. शुक्लयुगीन आलोचना

इकाई - 4. आचार्य शुक्ल की आलोचना और साहित्य-दृष्टि
इकाई - 5. हजारी प्रसाद द्विवेदी की आलोचना और साहित्य-दृष्टि
इकाई - 6. नन्ददुलारे वाजपेयी की आलोचना और साहित्य-दृष्टि
इकाई - 7. डॉ. नगेन्द्र की आलोचना और साहित्य-दृष्टि

खण्ड - 3. शुक्लोत्तर आलोचना

इकाई - 8. प्रगतिशील आलोचनाः रामविलास शर्मा
इकाई - 9. प्रगतिशील आलोचनाः नामवर सिंह
इकाई - 10. समकालीन आलोचनाः मैनेजर पाण्डेय
इकाई - 11.समकालीन आलोचनाः देवी शंकर अवस्थी, मलयज

खण्ड - 4. कवि- आलोचक एवं कथा-आलोचना

इकाई - 12. कवि- आलोचक की अवधारणा: मुक्तिबोध, अज्ञेय, शमशेर
इकाई - 13. कवि- आलोचक की अवधारणा: विजयदेव नारायण साही, अशोकवाजपेयी
इकाई - 14. हिन्दी कथा - आलोचना की समस्याएँ
इकाई - 15. पुस्तक समीक्षा

निर्देश: सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. इतिहास और आलोचना	नामवर सिंह
2. आधुनिक हिन्दी आलोचना के बीज शब्द	बच्चन सिंह
3. हिन्दी आलोचना : बीसवीं सदी	निर्मला जैन
4. हिन्दी आलोचना	विश्वनाथ त्रिपाठी
5. समकालीन आलोचक और आलोचना	रामबक्ष
6. हिन्दी आलोचना के सैद्धांतिक आधार	कृष्णदत्त पालीवाल
7. आलोचना की पहली किताब	विष्णु खरे
8. साठोत्तरी हिन्दी कविता : परिवर्तित दिशाएँ	विजय कुमार

9. कविता की संगत	विजय कुमार
10. हिन्दी कविता : सन्दर्भ और प्रकृति	देवीशंकर अवस्थी
11. आज और आज से पहले	कुँवर नारायण
12. कविता का वैभव	विनोद दास
13. कुछ कहानियाँ कुछ विचार	विश्वनाथ त्रिपाठी
14. कहानी नई कहानी	नामवर सिंह
15. कहानी समय	कृष्णमोहन

पाठ्यक्रम-14: (DMLH-402) कथेतर गद्य

खण्ड - 1. खड़ी बोली गद्य का विकास

इकाई - 1. खड़ी बोली गद्य

इकाई - 2. नवजागरणकालीन परिस्थितियाँ और आधुनिक गद्य विधाएँ, साहित्येतर गद्य

खण्ड - 2. प्रमुख कथेतर गद्य विधाएँ

इकाई - 3. प्रमुख कथेतर गद्य विधाएँ - भाग-1

- निबंध
- यात्रावृत्त
- रिपोर्ताज

इकाई - 4. प्रमुख कथेतर गद्य विधाएँ - भाग-2

- आत्मकथा
- जीवनी
- व्यंग्य

इकाई - 5. प्रमुख कथेतर गद्य विधाएँ - भाग-3

- संस्मरण
- पत्र - साहित्य
- रेखाचित्र
- डायरी

खण्ड - 3. निर्धारित पाठ

इकाई - 6. लोभ और प्रीति (निबंध) : रामचन्द्र शुक्ल

इकाई - 7. अशोक के फूल (ललित निबंध) : हजारी प्रसाद द्विवेदी

इकाई - 8. अपनी खबर (आत्मकथा) : पांडेय बेचन शर्मा 'उग्र'

इकाई - 9. आवारा मसीहा प्रथम पर्व (जीवनी: विष्णु प्रभाकर

इकाई - 10. चीड़ों पर चांदनी (यात्रा संस्मरण) : निर्मल वर्मा

खण्ड - 4. निर्धारित पाठ

इकाई-11. घर का जोगी जोगड़ा (संस्मरण) : काशीनाथ सिंह

इकाई-12. भक्तिन (रेखाचित्र) : महादेवी वर्मा

इकाई-13.आग्नेश्का सोनी के नाम पत्र (पत्र 5) : मुक्तिबोध

इकाई-14. वैष्णव की फिसलन (व्यंग्य) : हरिशंकर परसाई

इकाई-15. भूमि-दर्शन की भूमिका उर्फ ऋणजल (रिपोर्ताज) : फणीश्वरनाथ रेणु

इकाई-16. रेत पर खेमा (कथा डायरी) : जाबिर हुसैन

निर्देश: सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. निबंध निलय	सत्येन्द्र
2. विधाओं की प्रकृति	देवीशंकर अवस्थी
3. देश के इस दौर में	विश्वनाथ त्रिपाठी
4. आत्मकथा की संस्कृति	पंकज चतुर्वेदी
5. हिन्दी साहित्यकोश (भाग-2)	सं. धीरेन्द्र वर्मा
6. गद्य विविधा	सं. जवरीमल्ल पारख
7. सृजनशीलता एवं व्यक्तित्व	बीना श्रीवास्तव

पाठ्यक्रम-15: (DMLH - 403) हिन्दी उपन्यास

खण्ड - 1. हिन्दी उपन्यास का विकास - I

इकाई - 1. आधुनिकता, मध्यवर्ग और उपन्यास
इकाई - 2. हिन्दी उपन्यास पर विभिन्न विचारधाराओं का प्रभाव
इकाई - 3. प्रारम्भिक उपन्यास
इकाई - 4. प्रेमचन्दयुगीन उपन्यास

खण्ड - 2. हिन्दी उपन्यास का विकास - II

इकाई - 5. प्रेमचन्दोत्तर उपन्यास
इकाई - 6. आंचलिकता और हिन्दी उपन्यास
इकाई - 7. स्त्री-पुरुष संबंध और हिन्दी उपन्यास
इकाई - 8. समकालीन उपन्यास

खण्ड - 3. निर्धारित उपन्यास

इकाई - 9. रंगभूमि प्रेमचंद (कथावस्तु का विश्लेषण,संवाद योजना, एवं तात्विक समीक्षा)
इकाई - 10. रंगभूमि प्रेमचंद (पात्रों का चरितचित्रण, भाषा और शिल्प कला)
इकाई - 11. त्यागपत्र जैनेन्द्र कुमार (कथावस्तु का विश्लेषण,संवाद योजना, एवं तात्विक समीक्षा)
इकाई - 12. त्यागपत्र जैनेन्द्र कुमार (पात्रों का चरितचित्रण, भाषा और शिल्प कला)

खण्ड - 4. निर्धारित उपन्यास

इकाई - 13. वे दिन निर्मल वर्मा (कथावस्तु का विश्लेषण,संवाद योजना, एवं तात्विक समीक्षा)
इकाई - 14. वे दिन निर्मल वर्मा (पात्रों का चरितचित्रण, भाषा और शिल्प कला)
इकाई - 15. मित्रो मरजानी कृष्णा सोबती (कथावस्तु का विश्लेषण,संवाद योजना, एवं तात्विक समीक्षा)
इकाई - 16. मित्रो मरजानी कृष्णा सोबती (पात्रों का चरितचित्रण, भाषा और शिल्प कला)

निर्देश: सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. उपन्यास का उदय	आयन वॉट
2. उपन्यास और लोकजीवन	राल्फ फॉक्स
3. उपन्यास का सिद्धांत	जॉर्ज लुकाच
4. उपन्यास के पक्ष	ई. एम. फॉस्टर
5. हिन्दी उपन्यास : अन्तरंग पहचान	प्रेम कुमार
6. हिन्दी उपन्यास : एक अन्तर्यात्रा	रामदरश मिश्र
7. हिन्दी उपन्यास : पहचान एवं परख	इन्द्रनाथ मदान
8. प्रेमचंद और उनका युग	रामविलास शर्मा
9. सिलसिला	मधुरेश
10. हिन्दी उपन्यास : 1950 के बाद	सं. निर्मला जैन.
11. उपन्यास की शर्त	जगदीश नारायण श्रीवास्तव

12. हिन्दी उपन्यास : सार्थक की पहचान — मधुरेश
13. उपन्यास का पुनर्जन्म — परमानंद श्रीवास्तव
14. हिन्दी उपन्यास : स्थिति और गति — चन्द्रकांत वांदिवडेकर
15. आधुनिक हिन्दी उपन्यास — सं. नामवर सिंह

पाठ्यक्रम-16: (DMLH-404) (क) भारतीय साहित्य

खण्ड - 1. भारतीय साहित्य का परिचय

इकाई - 1. भारतीय साहित्य की अवधारणा
इकाई - 2. भारतीय साहित्य के अध्ययन की दृष्टियाँ
इकाई - 3. भारतीय साहित्य का स्वरूप
इकाई - 4. भारतीय साहित्य की विशिष्टताएँ

खण्ड - 2. भारतीय साहित्य की विभिन्न परम्पराएँ

इकाई - 5. भारतीय काव्य परम्परा
इकाई - 6. भारतीय नाटक की परम्परा
इकाई - 7. भारतीय कथा-परम्परा भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ

खण्ड - 3. निर्धारित कविताएं

इकाई - 8. अभिसार कृष्ण कली -I, रवीन्द्रनाथ टैगोर (बांग्ला)
इकाई - 9. स्वतंत्रता देवी की स्तुति- सुब्रमण्यम भारती (तमिल)
इकाई - 10. सबसे खतरनाक, हम लड़ेंगे साथी - पाश (पंजाबी)
इकाई - 11. तेरे लिए मेरी खामोशी में, एक मौलिक संशोधन - वरवर राव (तेलुगु)

खण्ड - 4. निर्धारित गद्य साहित्य

इकाई - 12. उपन्यास : संस्कार - आर. यू. अनंतमर्ति (कन्नड़)
छै बीघा जमीन - फकीर मोहन सेनापति (उडिया)
इकाई - 13. नाटक : घासीराम कोतवाल - विजय तेंदुलकर (मराठी)
इकाई - 14. कहानियाँ : बाढ़ में शिवशंकर - पिल्लै तकषि (मलयालम)
आत्मा का सौन्दर्य - पीताम्बर पटेल (गुजराती)

निर्देश: सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1.तुलनात्मक साहित्य की भूमिका	इन्द्रनाथ चौधुरी
2. भारतीय साहित्य की भूमिका	रामविलास शर्मा
3. भारतीय सौन्दर्यबोध और तुलसीदास	रामविलास शर्मा
4. भारतीय नयी कविता	कृष्णदत्त पालीवाल
5. भारतीय साहित्य; स्थापनाएँ और प्रस्तावनाएँ	के. सच्चिदानंद
6. भारतीय साहित्य तुलनात्मक दृष्टि (लेख -सर्जन और संदर्भ)	अज्ञेय

पाठ्यक्रम-16: (DMLH-404) (ख) संस्कृत साहित्य

खण्ड - 1. संस्कृत साहित्य का विकास क्रम

इकाई - 1. वैदिक साहित्य

इकाई - 2. वेद, ब्राह्मण ग्रंथ, आरण्यक, उपनिषद

इकाई - 3. पौराणिक महाकाव्य : रामायण महाभारत

खण्ड - 2. लौकिक साहित्य : काव्य एवं गद्य

इकाई - 4. लौकिक काव्य यात्रा

इकाई - 5. नीतिकाव्य

इकाई - 6. आख्यान की परम्परा

इकाई - 7. नाटक की परम्परा

खण्ड - 3. निर्धारित कविताएँ

इकाई - 8. वाल्मीकि रामायण : बालकांड

इकाई - 9. प्रथम सर्ग : 'लोक सं 8 से 'लोक सं 20 तक

इकाई - 10. गीता - (अध्याय दो) : श्लोक सं 11, 13, 19, 20, 22, 23, 27, 37, 38, 47

इकाई - 11. माघ - शिशुपालवध : एकादश सर्ग: श्लोक सं 8, 15, 25, 40, 44, 45, 49, 53, 57, 64

जयदेव - गीतगोविन्दः

- वाग्देवताचरितचित्रितचित्तस
- ललितलवङ्ग लतापरिशीलन
- विश्वेषामनुरंजनेन जनयन्नानन्दमिन्दीवर
- किं करिष्यति किं वदिष्यति सा चिरं विरहेण
- हृदि बिसलताहारो नायं भुजङ्.गमनायक:
- तानि स्पर्शसुखानि ते च तरलाः स्निग्धार्विभ्रमा
- हरिरिति हरिरिति जपति सकामम्
- खशरतल्पमनल्पविलासकलाकमनीयमकुसुमविशि
- त्वद्द्वाम्येन समं समग्रमधुना तिग्मांशुरस्तंगतो
- किं विश्राम्यसि कृष्णभोगिभवने भाण्डीरभूमीरुहि

भर्तृहरि - नीतिशतक (पुनर्रचनाः राजेश जोशी)

खण्ड - 4. निर्धारित कथा एवं नाट्य साहित्य

इकाई - 12. कालिदास -विक्रमोवर्शीयम्

इकाई - 13. बाणभट्ट कादम्बरी (पुनर्रचना : राधाबल्लभ त्रिपाठी)

निर्देश: सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. संस्कृत साहित्य का इतिहास	बदलेव उपाध्याय
2. संस्कृत साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	रामजी उपाध्याय
3. क्लासिकल संस्कृत लिटरेचर	ए.बी. कीथ
4. संस्कृत ड्रामा	ए.बी. कीथ
5. हिस्ट्री ऑफ संस्कृत लिटरेचर	मैकडानल
6. संस्कृत साहित्य विमर्श	अचार्य द्विजेन्द्रनाथ

पाठ्यक्रम-16: (DMLH-404) (ग) उर्दू साहित्य

खण्ड - 1. उर्दू भाषा एवं साहित्य का विकास

इकाई - 1. उर्दू भाषा का विकास
इकाई - 2. उर्दू कविता का विकास
इकाई - 3. उर्दू गद्य का विकास

खण्ड - 2. उर्दू के विविध रूप

इकाई - 4. देहली कॉलेज और फोर्ट विलियम कॉलेज
इकाई - 5. हिन्दी, उर्दू और हिन्दुस्तानी
इकाई - 6. उर्दू के विभिन्न काव्य-रूप

खण्ड - 3. निर्धारित कविताएँ

इकाई - 7. मीर तकी मीर :

- उल्टी हो गई सब तदबीरें
- कुछ न दवा ने काम किया
- हस्ती अपनी हबाब की सी

इकाई - 8. मिजा ग़ालिब :

- बाजीचा अत्फ़ाल है दुनिया मेरे आगे
- हरेक बात पे कहते हो तुम कि तू क्या है

इकाई - 9. नज़ीर अकबराबादी : आदमीनामा

इकाई - 10. फैज़ अहमद फ़ैज :

- मुझसे पहली सी मुहब्बत मेरे
- महबूब न मांग (नज़्म)
- बोल (नज़्म)

इकाई - 11. फ़िराक़ गोरखपुरी :

- हर जलवे से (रुबाई)
- किस दरजा सुकूंनुमा हैं (रूबाई)
- आँसू से भरे-भरे (रुबाई)
- चेहरे पे हवाइयाँ (रूबाई)
- लहरों में खिला कंवल (रूबाई)

इकाई-12. परवीन शाकिर :

- कमालेज़ब्त को तो मैं भी आजमाऊँगी
- श्याम मैं तोरी..... (नज़्म)

खण्ड - 4. निर्धारित गद्य साहित्य

इकाई - 13. मीर अम्मन : बगो बहार (किस्सा पहले दरवेश का)

इकाई - 14. इन्तिज़ार हुसैन : बस्ती (उपन्यास)

इकाई - 15. कुर्रतुल ऐन हैदर : अगले जनम मोहे बिटिया न कीजो (उपन्यास)

इकाई - 16. इस्मत चुगताई : घरवाली (कहानी)

इकाई - 17. राजेन्द्र सिंह बेदी : भोला (कहानी)

इकाई - 18. सआदत हसन मंटो : नूरजहाँ (रेखाचित्र)

निर्देश : सभी खण्डों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएँगे।

अनुमोदित ग्रंथ :

1. उर्दू साहित्य का इतिहास	एजाज हुसैन
2. उर्दू साहित्य का इतिहास	ब्रजरत्न दास
3. उर्दू भाषा और साहित्य	फिराक गोरखपुरी
4. उर्दू कविता	फ़िराक़ गोरखपुरी
5. उर्दू साहित्य का आलोचनात्मक इतिहास	एहतेशाम हुसैन
6. उर्दू काव्य की जीवन धारा	मुहुसैन आज़ाद .
7. उर्दू समालोचना पर एक दृष्टि	कलीमुद्दीन अहमद
8. यादगारे ग़ालिब	अल्ताफ हुसैन हाली
9. बागो बहार	मीर अम्मन (अनु. अब्दुल बिस्मिल्लाह)
10. उर्दू प्रेस और ब्रिटिश शासन	अब्दुल मुजीब खां
11. उर्दू हिन्दी की प्रगतिशील कविता	असगर वजाहत
12. उर्दू साहित्य कोश	कमल नसीम
13. उर्दू आलोचना	पूर्णमासी राय
14. जिक्रे मीर	अनु. अजमल अजमली
15. उर्दू का आरम्भिक युग	शम्सुर्रहमान फारुकी (अनु. कृष्णमोहन)

पाठ्यक्रम-16: (DMLH-404) (घ) लोक साहित्य

खण्ड - 1.लोक साहित्य : अवधारणाएं

इकाई - 1. लोक, लोक-वार्ता, लोक संस्कृति और लोक-साहित्य
इकाई - 2. लोक- साहित्य संस्कृत वाङ्मय में लोकोन्मुखता
इकाई - 3. हिन्दी के आरंभिक साहित्य में लोकतत्व, वर्तमान साहित्य और लोक साहित्य का अंतः सम्बन्ध
इकाई - 4. लोक- साहित्य में सामाजिक संघर्ष

खण्ड - 2. हिन्दी लोक साहित्य की समस्याएँ

इकाई - 5. लोक- साहित्य की अध्यन प्रक्रिया एवं संकलन की समस्याएँ
इकाई - 6. लोक-साहित्य के प्रमुख अध्येता एवं प्रमुख संकलन
इकाई - 7. हिन्दी की प्रमुख बोलियों और उनका लोक-साहित्य
इकाई - 8. लोक-साहित्य में वर्चस्व और प्रतिरोध के स्वर
इकाई - 9. भूमंडलीकरण और लोक-साहित्य

खण्ड - 3. लोक-साहित्य के संगीत प्रधान रूपों का वर्गीकरण

इकाई - 10. लोक गीत संस्कार-गीत, व्रत-गीत, श्रम-गीत, ऋतु-गीत, जाति-गीत
इकाई - 11. लोक-नाट्य एवं लोक नृत्य-नाट्यः रामलीला, रासलीला, कीर्तनीयां, स्वांग, संगीत, संपेडा, बिदेसिया, नाच, पंडवानी, भांड, तमाशा, नौटंकी, कथकली
इकाई - 12. हिन्दी लोक नाट्य की परम्परा, हिन्दी नाटक और रंगमंच पर लोक-नाट्यों का प्रभाव
इकाई - 13. लोक-वाद्य तथा लोक-संगीत

खण्ड - 4. लोक-कथा एवं लोक गाथा

इकाई - 14. लोक-कथा: व्रत-कथा, परी-कथा, नाग-कथा, बोध-कथा, कथानक रुढ़ियां
इकाई - 15. लोक-गाथा: ढोला-मारु, लोरीकायन, हीर राँझा, गोपीचंद, भरथरी, नल-दमयंती, सोहनी-माहीवाल, आल्हा, समाज और संस्कृति के सम्बन्ध में
इकाई - 16. लोक कथा एवं लोक-गाथा

निर्देश: खण्ड 3 से व्यावहारिक समीक्षा तथा अन्य सभी इकाइयों से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएगे

अनुमोदित ग्रंथ :

1. लोक साहित्य कि भूमिका	कृष्णदेव उपाध्याय
2. लोक संस्कृति की रूप रेखा	कृष्णदेव उपाध्याय
3. लोक- साहित्य का अध्ययन	त्रिलोचन पाण्डे
4. कविता कौमुदी	रामनरेश त्रिपाठी
5. आदि हिन्दी के गीत और कहानियां	राहुल सांकृत्यायन
6. लोक-साहित्य और लोक-स्वर	विद्यानिवास मिश्र
7. लोक-साहित्य	श्याम परमार
8. लोक साहित्य की भूमिका	प्रोफेसर रविन्द्र अमर

9. लोक संस्कृति और राष्ट्रवाद बद्रीनारायण

10. पत्रिकाएं: 1. मंडई- सं. कालीचरण यादव, बिलासपुर, छतीसगढ़

2. लोक- पीयूष दईया,

सी. बी. सी. एस. पाठ्यक्रम

प्रथम वर्ष

सत्र-1

M.A. Hindi Semester-I
Coice based Credit System
Paper-I

पाठ्यक्रम 1-: (DMLHX-11) समकालीन कथा साहित्य 4 क्रेडिट

खण्ड - 1. समकालीन कथा साहित्य की पृष्ठभूमि

इकाई - 1. समकालीनता का अभिप्राय
इकाई - 2. समकालीन परिस्थतियां और समाज
इकाई - 3. समकालीन हिन्दी उपन्यास
इकाई - 4. समकालीन हिन्दी उपन्यास में स्त्री विमर्श
इकाई - 5. समकालीन हिन्दी उपन्यासों का अभिव्यंजना शिल्प
इकाई - 6. समकालीन हिन्दी कहानियां
इकाई - 7. समकालीन हिन्दी कहानियों का अभिव्यंजना शिल्प

खण्ड - 2. निर्धारित उपन्यास

इकाई - 8. त्रिशूल: शिवमूर्ति (कथावस्तु का विश्लेषण,संवाद योजना, एवं तात्विक समीक्षा)
इकाई - 9. त्रिशूल शिवमूर्ति-(पात्रों का चरितचित्रण, और भाषा)
इकाई - 10. शिवमूर्ति की उपन्यास कला

खण्ड - 3. निर्धारित उपन्यास

इकाई - 11. अनारो: मंजुल भगत (कथावस्तु का विश्लेषण,संवाद योजना, एवं तात्विक समीक्षा)
इकाई - 12. मंजुल भगत की उपन्यास कला

खण्ड - 4. निर्धारित कहानियां

इकाई -13. पार्टीशन : स्वंयप्रकाश
इकाई - 14. छप्पन तोले का करघन : उदयप्रकाश
इकाई - 15. अन्तराल : संजीव
इकाई - 16. सलाम : ओमप्रकाश वाल्मिकी
इकाई - 17. स्वयंप्रकाश, उदयप्रकाश, संजीव, ओमप्रकाश वाल्मिकी की कहानी कला

निर्देश: खण्ड -2 और 3 से उपन्यासकारों की उपन्यास कला, उपन्यास की अंतर्वस्तु, चारित्रिक विशेषता और शिल्प से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।
खण्ड - 4 से कहानीकारों की कहानी कला, कहानी की अंतर्वस्तु, चारित्रिक विशेषता और शिल्प से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुमोदित ग्रन्थ :

1.हिन्दी उपन्यास : सार्थक की पहचान	मधुरेश
2.आधुनिक हिन्दी उपन्यास	नामवर सिंह
3.कहानी नई कहानी	नामवर सिंह
4.आज की हिन्दी	विजय मोहन सिंह
5.समकालीन कहानी का रचना विधान	गंगा प्रसाद विमल
6.समकालीन हिन्दी कहानी	पुष्पाल सिंह

प्रथम वर्ष

सत्र-2

M.A. Hindi Semester-II
Choice based Credit System
Paper-II

पाठ्यक्रम-2: (DMLHX-21) आधुनिक कविता 4 क्रेडिट

खण्ड – 1. आधुनिक कविता

इकाई - 1. आधुनिक कविता की पृष्ठभूमि
इकाई - 2. नवजागरण और राष्ट्रीय आन्दोलन
इकाई - 3. आधुनिक कविता की प्रवृत्तियाँ
इकाई - 4. भारतेंदु युग, विवेदी युग, छायावाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता
इकाई – 5. भाषिक संवेदना

खण्ड – 2. निर्धारित पाठ

इकाई - 6. भारतेंदु हरिश्चन्द्र –

- सख गुरजं को बुरा बताव
- तीन बुलाए तेरह आवे
- सिटी देकर पास बुलावे सुंदर बानी कहि समुझा वै धन लेकर कुछ कम न आवै
- मतलब ही की बोलै बात
- भीतर भीतर सब रस चूसे
- सतए अठए, मोघर आये 10 मुकरिया
- हिन्दी की उन्नति पर व्याख्यान-निज भाषा उन्नति अहै-5
- अंग्रेजी पढ़ि के जदपि -8
- अंग्रेजी निज नारि को-11
- गुरु सिखवत बहुभांति -14
- खसम जो पूजे देहरा -29
- लखहु न अंग्रेजन करी- 35
- पड़े संस्कृत बहुत विध-47
- मारकीन मलमल विना-58
- ये सब विद्या की कहूँ-68
- प्रचलित करहु जहान में-74

इकाई - 7. मैथिलीशरण गुप्त-

- चारू चन्द्र की चंचल किरणें (पंचवटी)

इकाई - 8. रामनरेश त्रिपाठी-

- अतुलनीय जिनके प्रताप का आगे बढ़े चलेंगे

इकाई - 9.जयशंकर प्रसाद-

- देश की दुर्दशा निहारेगे (स्कन्दगुप्त से)
- आँसू- इस करुणा कलित हृदय में
- आती है शून्य क्षितीज से
- बस गई एक बस्ती है
- यह सब स्फुलिंग है मेरी
- जो घनीभूत पीड़ा थी
- रो रोकर सिसक सिसक कर
- शशि मुख पर घूंघट डाले
- मुख कमल समीज सजे थे
- अब छूटता नहीं छुड़ाए
- मानव जीवन वेदी पर

इकाई – 10. सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला'-

- दान
- तोडती पत्थर

खण्ड - 3. निर्धारित पाठ

इकाई - 11. भवानी प्रसाद मिश्र-

- गीतफरोश

इकाई -12. नागार्जुन-

- बहुत दिनों के बाद
- शासन की बंदूक

इकाई - 13. त्रिलोचन शास्त्री-

- चंपा काले अच्छर नही चीन्हती
- दिन ये फूल के हैं

इकाई - 14. रामधारी सिंह दिनकर-

- कुरुक्षेत्र (षष्ठ सर्ग) धर्म का दीपक से लेकर यह प्रगति निस्सीम तक

इकाई - 15. अज्ञेय –

- भीतर जागा दाता
- एक बूंद

खण्ड – 4. निर्धारित पाठ

इकाई -16. धूमिल-

- शहर में सूर्यास्त

- एकांत कथा

इकाई -17. दुष्यन्त कुमार-

- कहाँ तो तय था चरागां
- ये सारा जिस्म झुक कर

इकाई - 18. अरुण कमल-

- उम्मीद
- भूसी की आग

इकाई - 19. मंगलेश डबराल-

- टार्च
- गुलामी

इकाई - 20. ओम प्रकाश बाल्मीकि-

- सदियों का संताप
- बस्स! बहुत हो चुका

निर्देश: खंड 1 से आलोचनात्मक प्रश्न पूछे जाएंगे और खंड2, 3 और 4 से कविताओं से संबंधित आलोचनात्क प्रश्न पूछे जांएगे।

अनुमोदित ग्रंथ:

1. कविता के नये प्रतिमान	नामवर सिंह
2. नई कविता का आत्मसंघर्ष	मुक्तिबोध
3. समकालीन कविता का व्याकरण	परमानन्द श्रीवास्तव
4. कविता का जनपद	अशोक वाजपेयी
5.आधुनिक हिन्दी साहित्य की प्रवृत्तियाँ	नामवर सिंह
6. नई कविता और अस्तित्त्ववाद	रामविलास शर्मा
7.प्रगतिवाद और समानांतर साहित्य	रेखा अवस्थी
8. कविता का अर्थात	परमानन्द श्रीवास्तव
9. शमशेर का काव्यलोक	जगदीश कुमार

द्वितीय वर्ष

सत्र-3

M.A. Hindi Semester-III
Choice based Credit System
Paper-III

पाठ्यक्रम-3: (DMLHX-31) गद्य विधाएं 4 क्रेडिट

खण्ड – 1. गद्य विधाओं का विकास

इकाई - 1. खड़ी बोली आन्दोलन
इकाई – 2. गद्य विधाओं का प्रारम्भ और विकास

खण्ड - 2 आधुनिक परिस्थितियां एवं स्वरूप

इकाई - 3. आधुनिक परिस्थितियाँ और गद्य विधाओं का उदय
इकाई - 4. गद्य विधाओं का परिचयः निबन्ध, जीवनी, आत्मकथा
इकाई - 5. संस्मरण, रेखाचित्र, व्यंग्य
इकाई - 6. रिपोर्ताज यात्रान्तात, डायरी, पत्र साहित्य,

खण्ड -3 निर्धारित पाठ -1

इकाई - 7. निबन्धः
नाखून क्यों बढ़ते हैं- हजारी प्रसाद द्विवेदी, (अंतर्वस्तु एवं विश्लेषण)
इकाई - 8. जीवनी :
निराला की साहित्य साधना से सूरज कुमार तिवारी, पृष्ठ 1 से 42 तक (अंतर्वस्तु एवं विश्लेषण)
इकाई - 9. आत्मकथा :
क्या भूलूं क्या याद करू - हरिवंश राय बच्चन (अंतर्वस्तु एवं विश्लेषण)
इकाई - 10. रेखाचित्र:
रजिया, माटी की मूरतें- रामवृक्ष बेनपुरी

खण्ड - 4. निर्धारित पाठ -2

इकाई -11. संस्मरण:
गंगा स्नान करने चलोगे - विश्वनाथ त्रिपाठी
इकाई -12. व्यंग्य :
इंस्पेक्टर मातादीन चाँद पर - हरिशंकर परसाई
इकाई - 13. रिपोर्ताज:
भूमि- दर्शन की भूमिका उर्फ ऋणजल-धनजल से फणीश्वरनाथ रेणु
इकाई - 14. यात्रावृत्तांत :
ओह भी कोई देश है महाराज- अनिल यादव
(हमारे सामने कस्बे में .....कुछ और हिला होगा पृष्ठ 39 से 51 तक)

अनुमोदित ग्रन्थः

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास	रामचंद्र शुक्ल
2. आधुनिक हिन्दी साहित्य	लक्ष्मी सागर वार्षणेय
3. आधुनिक साहित्य का इतिहास	बच्चन सिंह
4. हिन्दी का गद्य साहित्य	रामचंद्र तिवारी
5. हिन्दी साहित्य कोष (भाग-2)	सं. धीरन्द्र वर्मा
6. विधाओं की प्रकृति	देवी शंकर अवस्थी
7. गद्य विधा	सं. जवारीमल पारख
8. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएं	कैलाशचंद भाटिया
9. हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास	बिजेन्द्र स्नातक
10. आधुनिक साहित्य	नंददुलारे वाजपयी

द्वितीय वर्ष

सत्र-4

M.A. Hindi Semester-IV
Choice based Credit System
Paper-IV

पाठ्यक्रम-4: (DMLHX-41) नाटक एवं रंगमंच 4 क्रेडिट

खण्ड - 1. हिन्दी नाटक एवं रंगमंच का विकास
इकाई - 1. हिन्दी नाटक का उद्भव एंव विकास
इकाई - 2.हिन्दी रंगमंच का विकास

खण्ड - 2. नाट्य तत्व
इकाई - 3. भारतीय नाट्य तत्व
इकाई - 4. पाश्चात्य नाट्य तत्व
इकाई - 5. रंगमंच की शैलियाँ
इकाई - 6. रंग-भाषा

खण्ड - 3. निर्धारित नाटक-1 ध्रुवस्वामिनी- जयशंकर प्रसाद
इकाई - 7. रंगमंचीय संरचना
इकाई - 8. नाट्यवस्तु
इकाई - 9. केन्द्रीय समस्या
इकाई - 10. रंगमंचीयता
इकाई - 11. रंगभाषा

खण्ड - 4. निर्धारित नाटक-2 आगरा बाजार- हबीब तनवीर
इकाई - 12. रंगमंचीय संरचना
इकाई - 13. नाट्यवस्तु
इकाई - 14. केन्द्रीय समस्या
इकाई - 15. रंगमंचीयता
इकाई -16. रंगभाषा

निर्देश: पहली और दूसरी इकाई से आलोचनात्क प्रश्न एवं तीसरी और चौथी इकाई से नाटककार की नाट्य कला, नाट्य वास्तु, केन्द्रीय समस्या, चारित्रिक विशेषता, संवाद योजना एंव रंग-भाषा से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे।

अनुमोदित ग्रन्थः

1. नाटक और रंगमंच — सं. गिरीश रस्तोगी
2. हिन्दी नाटकः उद्भव और विकास — दशरथ ओझा

3. हिन्दी नाटक	बच्चन सिंह
4. आज के रंग नाटक	सं. सुरेश अवस्थी
5. रंग दर्शन	नेमीचंद्र जैन
6. रंग- भाषा	नेमीचंद्र जैन
7. प्रसाद का नाट्य कर्म	सतेन्द्र तनेजा
8. हमने हबीब को देखा है	सं. राजेन्द्र शर्मा
9. रंग हबीब	भारत रत्न भार्गव
10. रंग प्रसंग (हबीब तनवीर विशेषांक)	सं. प्रयाग शुक्ल
11. सापेक्ष (हबीब तनवीर विशेषांक)	सं. महवीर अग्रवाल

2. परामर्श सत्र

मुक्त शिक्षा पद्धति में विद्यार्थी और शिक्षक / परामर्शदाता के बीच विचारों का आदान-प्रदान एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। विद्यार्थियों के लिए इसकी व्यवस्था अध्ययन केंद्रों तथा ऑनलाइन क्लासरूम में की गई है। यहाँ पर शिक्षक आपके प्रश्नों और समस्याओं का समाधान करने में आपकी मदद करेंगे। यहाँ आप अपने साथ के अन्य विद्यार्थियों से मिल सकेंगे और उनसे विचार-विमर्श कर सकेंगे। एम.ए. हिन्दी के सभी पाठ्यक्रमों के विषय में परामर्श देने एवं मार्गदशन करने के लिए योग्य परामर्शदाताओं की व्यवस्था की गई है। पूरे शैक्षिक सत्र के दौरान निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार समय - समय पर परामर्श सत्रों की व्यवस्था की जाएगी । परामर्श सत्र के दौरान प्रत्येक पाठ्यक्रम के लिए 6 कक्षाएँ निर्धारित की गई हैं तथा प्रत्येक कक्षा की अवधि 2 घंटे की होगी। इन परामर्श सत्रों में विद्यार्थियों की उपस्थिति होना अनिवार्य नहीं है, परंतु अगर आप इनमें भाग लेंगे तो ये कई प्रकार से आपके लिए उपयोगी सिद्ध होंगे ।परामर्श सत्रों मे आने से पहले अपनी अध्ययन सामग्री पढ़ें एवं उन समस्याओं को नोट करके ले जाएँ जिन पर आप विचार-विमर्श करना चाहते हैं । जब तक आप पाठ्यक्रम सामग्री का अध्ययन स्वयं नहीं करेंगे तब तक आप उन समस्याओं से अवगत नहीं हो पाएँगे जिनका समाधान परामर्श सत्रों के दौरान संभव है । परामर्श सत्रों के विस्तृत कार्यक्रम का विवरण आपको अपने अध्ययन केंद्र के संचालक द्वारा प्राप्त होगा ।

2.1 शिक्षण प्रणाली

यह शिक्षा प्रणाली पूरी तरह से स्वअध्ययन है | सी. डी. ओ. ई., जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा आपके पाठ्यक्रम से सम्बन्धित पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराई जाएगी। इसके साथ ही काउंसिलिंग और सत्रीय कार्य आदि की भी व्यवस्था की जाएगी।

3. अकादमिक सारणी

अकादमिक सारणी में महत्वपूर्ण तारीखों के साथ-साथ परामर्श सत्र, सत्रीय कार्य तथा परीक्षा से सम्बन्धित अन्य जरूरी जानकारियाँ दी गई हैं। इस अकादमिक सारणी में दी गई प्रमुख तारीखों को ध्यान से पढ़ें एवं उनका अनुसरण करें। आप इस अकादमिक सारणी को जामिया मिल्लिया इस्लामिया की वेबसाइट http://ww.jmi.ac.in/cdoe/notices-corrigendum से डाउनलोड कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त आप दूर शिक्षा तथा मुक्त अधिगम केन्द्र /अध्ययन केन्द्र के नोटिस बोर्ड से भी इसकी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

4. अध्ययन केन्द्र

सामान्यतया आपका अध्ययन केन्द्र ही आपका परीक्षा केन्द्र भी होता है । कोई भी विद्यार्थी अपने अध्ययन केन्द्र को परिवर्तित नहीं कर सकता है । यद्यपि, सी. डी. ओ. एल. किसी भी समय किसी अध्ययन केन्द्र को बंद करने / परीक्षा केन्द्र को परिवर्तित करने का अधिकार रखता है।

आप अपने अध्ययन केन्द्र से ही सभी सूचनाएँ प्राप्त करें । दूर शिक्षा तथा मुक्त अधिगम केन्द्र सभी शिक्षार्थियों को व्यक्तिगत रूप से सारी सूचनाएँ नहीं भेज सकता। सभी महत्वपूर्ण सूचनाएँ अध्ययन केन्द्र के संचालक के पास भेजी जाएंगी जिन्हें वह अध्ययन केन्द्र के सूचना पटल पर लगा दिया करेगा। आप ऐसी सूचनाएँ स्वतः प्राप्त करते रहें । दत्तकार्य, परीक्षा फॉर्म के जमा कराने, परीक्षा की तिथियाँ, परीक्षा में प्रवेश पाने वाले विद्यार्थियों की सूची एवं परिणाम की घोषणा आदि से सम्बन्धित सभी सूचनाओं को प्राप्त करने के लिए आप अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक से सम्पर्क करते रहें। यदि किसी अपरीहार्य कारणवश परीक्षा के सम्बन्ध में आप को दूर शिक्षा तथा मुक्त अधिगम केन्द्र से सम्पर्क स्थापित ही करना पड़े तो मेल में अपनी एनरोलमेन्ट नंबर, रोल नम्बर तथा अपना पूरा पता अवश्य लिखें। इन सूचनाओं के अभाव में आप की समस्या पर कोई भी ध्यान नहीं दिया जाएगा।

5. मूल्यांकन योजना

5.1 सत्रीय कार्य

- सत्रीय कार्य द्वारा किसी पाठ्यक्रम में दी गई सामग्री का सतत् मूल्यांकन किया जाता है पाठ्यक्रम के सभी सत्रीय कार्यों के लिए लगभग 25% अंक निर्धारित हैं ।

- सत्रीय कार्यों को करने के लिए सामान्यतः आपको भेजी गई पाठ्य सामग्री ही पर्याप्त होगी, परन्तु अगर आपको पाठ्यक्रमों से सम्बन्धित अन्य पुस्तकें भी आसानी से उपलब्ध हों, तो आप उनका भी अध्ययन करें। अगर पुस्तकें मिलने में कठिनाई हो, तो उसके लिए परेशान न हों। हम अधिकांश सत्रीय कार्य इस प्रकार तैयार करते हैं कि आप उत्तर लिखने के लिए अपने पाठ्यक्रम की वह सामग्री जो विश्वविद्यालय ने उपलब्ध कराई है, का अध्ययन और उपयोग कर सकें।
- सत्रीय कार्य में दिए गए प्रश्नों के उत्तर अपने हाथ से ही लिखें। इसे मुद्रित या टाइप न कराएँ। विश्वविद्यालय द्वारा आपके पास भेजी गई इकाइयों में से नकल न करें।
- सत्रीय कार्य की जो उत्तर पुस्तिका आप अपने अध्ययन केंद्र के संचालक को देते हैं, उसकी एक फोटो कापी अपने पास रिकार्ड के लिए रख लें।
- पाठ्यक्रम से सम्बन्धित सत्रीय कार्य को अकादमिक सारणी में दी गई निर्धारित तिथि तक अपने अध्ययन केन्द्र में जमा कराना आवश्यक है।
- आपको अपना नाम, नामांकन संख्या और सत्रीय कार्य संख्या साफ तथा स्पष्ट रूप में लिखना अत्यंत आवश्यक है।
- सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होना अनिवार्य है। आप एक बार उत्तीर्णांक प्राप्त कर लेते हैं तो आप इसमें अंकों को सुधारने अथवा पुनःनिरीक्षण के लिए प्रसतुत नहीं हो सकते।
- यदि आप सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण नहीं होते हैं, तो आपको पाठ्यक्रम से सम्बन्धित संचालक के पास पुनः सत्रीय कार्य जमा कराना होगा। मूल्यांकन में हुई किसी वास्तविक त्रुटि के अतिरिक्त पुनः मूल्यांकन की अन्य कोई व्यवस्था नहीं है। यदि जाँच किए गए सत्रीय कार्यों में आप कोई अन्तर पाते हैं तो उसे अध्ययन केन्द्र के संचालक की जानकारी में लाएँ जिससे वे सही प्राप्तांक मुख्यालय के मुल्यांकन प्रभाग को भेज सकें।

5.2 छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा

छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा मूल्यांकन का महतवपूर्ण भाग है। प्रत्येक पाठ्यक्रम की परीक्षा में इसके लिए 75 प्रतिशत अंक शामिल हैं। आप अपना छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा फॉर्म ऑनलाइन पोर्टल पर निर्धारित अन्तिम तिथि तक अवश्य भर दें।

5.2.1 छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा परीक्षा फॉर्म

किसी भी पाठ्यक्रम की परीक्षा देने के लिए यह आवश्यक है कि उसके लिए परीक्षा फॉर्म जमा कराया जाए। प्रत्येक छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा के फॉर्म, प्रवेश पत्र तथा परीक्षार्थी सम्बन्धित सूचना कार्ड वेबसाइट https://www.jmicoe.in) पर उपलब्ध होगी। सत्रांत परीक्षा फॉर्म भरने की अन्तिम तिथि की जानकारी आपको शैक्षिक तिथि-पत्र के माध्यम से प्राप्त होगी, जिसका विवरण अकादमिक सारणी में दिया गया है।

5.2.2 छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा की दिनांक-सारणी

आपके द्वारा भरे गए परीक्षा फॉर्म की जांच के बाद छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा के प्रारम्भ होने से एक सप्ताह पूर्व आपका परीक्षा प्रवेश पत्र वेबसाईट पर उपलब्ध कर दिया जाएगा। यदि यह प्रवेश पत्र आपको परीक्षा प्रारम्भ होने से एक सप्ताह पूर्व वेबसाईट पर उपलब्ध नहीं होता, तो आप अपने अध्ययन केन्द्र से सम्पर्क करें। यदि किसी कारणवश आपको प्रवेश पत्र नहीं मिलता या आपसे यह खो जाता है तो भी आप अपना पहचान पत्र (शिक्षार्थी सम्बन्धित सूचना कार्ड) तथा परीक्षा फॉर्म भरने का प्रमाण अपने परीक्षा केन्द्र के संचालक को दिखाकर परीक्षा में बैठ सकते हैं|

परीक्षा से पूर्व परीक्षा की निर्धारित तारीख, समय और इससे सम्बन्धित सभी जानकारियों को वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायगा।

सत्र समाप्ति परीक्षाओं हेतु अपना परीक्षा फॉर्म जमा करते समय, यह जांचना आपकी स्वयं की जिम्मेदारी है कि, क्या आप उस कार्यक्रम के लिए पंजीकृत हैं और उस परीक्षा में बैठने योग्य हैं। यदि उपरोक्त आवश्यकताओं में से कोई भी कमी पायी जाती है, तो आपकी परीक्षा रद्द होने के लिए स्वयं उत्तरदायी है।

6. छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा

परिणाममूल्यांकन प्रणाली को दो भागों में बांटा गया है। पहला भाग सत्रीय कार्य का और दूसरा भाग छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा का। इस प्रणाली के अन्तर्गत सत्रीय कार्य 25% और छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा 75% का होगा।

6.1 परीक्षा परिणाम की घोषणा

दूरस्थ शिक्षण प्रणाली के अन्तर्गत परीक्षा पास करने हेतु अभ्यार्थी के लिए निम्नलिखित अनिवार्य

a) प्रत्येक पेपर के प्रत्येक घटक में अर्थात् सत्रीय कार्य एवं छमाही (अर्धवार्षिक) परीक्षा प्रत्येक में 40% अंक होने चाहिए।

b) डिग्री प्राप्त करने हेतु सभी थ्योरी पेपर्स एवं सत्रीय कार्यों में संयुक्त रूप से 50% अंक होना अनिवार्य है।

c) यदि कोई छात्र किसी पेपर अथवा पाठ्यक्रम के किसी भी घटक को उत्तीर्ण करने में विफल रहता है, तो वह पंजीकरण की दिनांक से कार्यक्रम के लिए प्रदान की गई अधिकतम अवधि तक, बाद के छमाही / अर्धवार्षिक सत्र के दौरान उसे दोहरा सकता है।

श्रेणी : सभी पाठ्यक्रमों की परीक्षा के प्राप्तांकों के आधार पर श्रेणी - विभाजन निम्न प्रकार से किया जाएगाः

(i) 75% अंक अथवा इससे अधिक प्राप्त करने वाले को श्रेष्ठ श्रेणी

(ii) 60% अंक अथवा इससे अधिक प्राप्त करने वाले को प्रथम श्रेणी

(iii) 50% परन्तु 60% से कम अंक पाने वाले को द्वितीय श्रेणी

(iv) 40% परन्तु 50% से कम अंक पाने वाले को तृतीय श्रेणी

अनुग्रहांक : अधिकतम तीन (3) अनुग्रहांक केवल उन विद्यार्थियों को ही दिए जाएंगे जो इन्हें पाने से सफलता अथवा श्रेणी प्राप्त करते हैं। आवश्यकता अनुसार न्यूनतम अनुग्रहांक ही दिए जाएंगे। यह अनुग्रहांक प्रतिशतता अथवा पूर्णयोग में परिकलित किए जाएंगे।

6.2. परिवेदना (ग्रीवैन्स) समिति

क्रम सं. समिति सदस्य

1. वी॰सी॰ नॉमिनि (विषय)
2. ऑनरेरी निदेशक
3. सम्बन्धित विभाग से विषय - विशेषज्ञ
4. अकादमिक संयोजक

6.3. कार्यक्रम के अगले छमाही / अर्धवार्षिक सत्र में प्रवेश हेतु

यदि किसी परिक्षार्थी के प्रथम एवं द्वितीय छमाही / अर्धवार्षिक सत्र के पाठ्यक्रमों में 50% से अधिक में बैकलॉग होगी तो उस परिस्थिति में उस परिक्षार्थी को तीसरे छमाही / अर्धवार्षिक सत्र में जाने की अनुमति नहीं दी जाएगी। किसी छात्र को वर्ष की अधिकतम समयावधि के भीतर आवश्यक सभी थ्योरी पेपर्स एवं सत्रीय कार्य को पूर्ण करने के बाद ही डिग्री अवार्ड करने के लिए सफल घोषित किया जाएगा। एक छात्र जो कार्यक्रम के लिए प्रदान की गई न्यूनतम अवधि में किसी भी घटक (छमाही/अर्धवार्षिक परीक्षा अथवा सत्रीय कार्य) में अनुपस्थित रहता है तथा वह प्रोग्राम को जारी रखना चाहता है, तो उस स्थिति में उसे डिमान्ड ड्रॉफ्ट के माध्यम से निर्धारित शुल्क जमा करके पुनः पंजीकरण लेना होगा।

6.4 प्राप्तांकों का पुनर्मूल्यांकन

किसी भी पाठ्यक्रम में घोषित परिणाम के पूनर्मूल्यांकन का कोई भी अनुरोध विचारणीय नहीं होगा। यद्यपि, परिक्षार्थी द्वारा निर्धारित शुल्क के साथ परीक्षा के नियंत्रक को एक आवेदन पत्र प्रस्तुत करने पर उत्तरपुस्तिका के अंकों को पुनः योग करवाने की अनुमति होगी।

6.5 परीक्षा-परिणाम में सुधार

एक छात्र को अपने छमाही / अर्धवार्षिक परीक्षाफल में सुधार करने की अनुमति तब ही दी जाएगी यदिः

(i) किसी छात्र को अगले छमाही सत्र में पाठ्यक्रम के किन्हीं भी दो पेपर्स में ग्रेड-सुधार करने की अनुमति दी जा सकती है। यद्यपि, सम/ विषम छमाही सत्र के पाठ्यक्रम में ग्रेड—सुधार की अनुमति अगले सम / विषम छमाही सत्र परीक्षा में ही दी जाएगी।

(ii) ग्रेड-सुधार परीक्षा केवल थ्योरी पेपर्स में ही उपलब्ध होगी।

(iii) इस प्रकार की परीक्षा के लिए केवल एक बार ही अनुमति दी जाएगी। किसी भी परिस्थिति में पुनः कोई मौका नहीं दिया जाएगा।

(iv) छात्र द्वारा सुधार परीक्षा में प्राप्त किए गए ग्रेड्स के आधार पर ही उसकी अंतिम डिवीजन / ग्रेड निर्धारित किए जाएंगे।

7. सामान्य निर्देश

पाठ्यक्रम शुल्क, पुर्नपंजीकरण शुल्क, विलम्ब शुल्क तथा अन्य शुल्क

पाठ्यक्रम शुल्क : पाठ्यक्रम शुल्क प्रत्येक वर्ष के आरम्भ में डिमान्ड ड्राफ्ट द्वारा देना होगा जो कि जामिया मिल्लिया इस्लामिया, नई दिल्ली के नाम देय होगा। किसी भी परिस्थिति में पाठ्यक्रम शुल्क लौटाया नहीं जायगा।

पुर्नपंजीकरण शुल्क : एक छात्र जो कार्यक्रम के लिए प्रदान की गई न्यूनतम अवधि में किसी भी घटक (छमाही/अर्धवार्षिक परीक्षा अथवा सत्रीय कार्य) में अनुपस्थित रहता है तथा वह प्रोग्राम को जारी रखना चाहता है, तो उस स्थिति में उसे डिमान्ड ड्रॉफ्ट के माध्यम से निर्धारित शुल्क जमा करके पुनः पंजीकरण लेना होगा। (यह शुल्क अगले पृष्ठ पर दी गई तालिका के अनुसार देय होगा)।

विलम्ब शुल्क : यदि कोई विद्यार्थी निर्धारित समयानुसार अपने सत्रीय कार्य एवं छमाही/अर्धवार्षिक परीक्षा फॉर्म को जमा नहीं करा पाया है, तो वह उसे निर्धारित विलम्ब शुल्क के साथ जमा करा सकता है।

यदि किसी विद्यार्थी का पता / मोबाइल नम्बर बदल गया हो तो उसकी सूचना सम्बन्धित अधिकारी को पहले से ही देनी होगी।

सीडीओई, जामिया मिलिया इस्लामिया, नई दिल्ली में अध्ययन के किसी भी कार्यक्रम में प्रवेश के लिए आवेदन पत्र भरने से पहले उम्मीदवारों को प्रॉस्पेक्टस को ध्यान से पढ़ना आवश्यक है। प्रॉस्पेक्टस सामान्य जानकारी प्रदान करता है और इसके सभी विषय अकादमिक परिषद/कार्यकारी परिषद के अधिनियम, क़ानून, अध्यादेश, विनियम और प्रासंगिक प्रस्तावों के प्रावधानों के अधीन है। विश्वविद्यालय वेबसाइट पर परिशिष्ट/शुद्धिपत्र के माध्यम से सूचित करके इस विवरणिका में किए गए प्रावधानों को बदलने का अधिकार सुरक्षित रखता है। उम्मीदवारों को ऐसे किसी भी बदलाव के बारे में व्यक्तिगत रूप से सूचित नहीं किया जाएगा और उन्हें सलाह दी जाती है कि वे विश्वविद्यालय की वेबसाइट (http://jmi.ac.in/CDOE) नियमित रूप से देखते रहें।

7.1 प्रवेश/प्रवेश परीक्षा के लिए आवेदन/पंजीकरण शुल्क

(i) प्रवेश के लिए आवेदन केवल ऑनलाइन मोड के माध्यम से जामिया मिलिया इस्लामिया की वेबसाइट www.jmicoe.in&www.jmi.ac.in पर जमा किया जा सकता है। प्रवेश के लिए कोई मुद्रित आवेदन पत्र नहीं है।

(ii) आवेदन जमा करते समय, उम्मीदवार को नीचे निर्धारित अनुसार आवेदन शुल्क का भुगतान करना होगा:

कार्यक्रम	शुल्क (रुपये में)
पीजी कार्यक्रम (ओडीएल और ओएल)	500
यूजी कार्यक्रम (ओडीएल और ओएल)	500
डिप्लोमा/पीजी डिप्लोमा/सर्टिफिकेट कार्यक्रम	500
एमबीए और बी.एड. (ओडीएल)	1500

(iii) आवेदन शुल्क का भुगतान या तो क्रेडिट कार्ड डेबिट कार्ड/नेट बैंकिंग द्वारा किया जा सकता है,
(iv) आवेदन शुल्क एक बार जेएमआई की ओर से सफलतापूर्वक प्राप्त हो जाने पर वापस नहीं किया जाएगा। इस विषय पर किसी भी प्रकार के पत्राचार पर विचार नहीं किया जाएगा।
(v) जेएमआई केवल अपने यहां पहचाने गए विफल लेनदेन के मामलों में ही आवेदन शुल्क वापस करेगा।

7.2 आवेदन पत्र जमा करना

(i) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे फॉर्म जमा करने की प्रक्रिया के दौरान ऑनलाइन दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें और उनका पालन करें।
(ii) प्रवेश के लिए पंजीकरण करने के लिए, उम्मीदवारों को जेएमआई प्रवेश पोर्टल: www.jmicoe.in पर उपलब्ध ऑनलाइन फॉर्म का उपयोग करना होगा।
(iii) प्रवेश के लिए आवेदन करने से पहले, उम्मीदवार को प्रॉस्पेक्टस में निर्धारित मानदंडों के अनुसार अपनी पात्रता सुनिश्चित करने की सलाह दी जाती है।
(iv) उम्मीदवार को JM1 द्वारा मान्यता प्राप्त किसी बाध्य/विश्वविद्यालय संस्थान से योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण करनी होगी। जामिया मिलिया इस्लामिया सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और विदेशी विश्वविद्यालयों की डिग्री को मान्यता देता है, बशर्ते कि उनकी समकक्षता भारतीय विश्वविद्यालय संघ (एयू) द्वारा स्थापित की गई हो।
(v) वे अभ्यर्थी जिनके योग्यता परीक्षाओं के परिणाम घोषित नहीं हुए हैं, वे भी आवेदन कर सकते हैं। हालाँकि, ऐसे कार्यक्रमों के लिए जिनकी पात्रता स्नातक की डिग्री आदि है, उन्हें दिए गए समय अवधि के भीतर आवश्यक प्रमाण पत्र आदि (पहले घोषित परिणाम के) जमा करने होंगे, अन्यथा उनका प्रवेश रद्द कर दिया जाएगा।
(vi) पंजीकरण प्रक्रिया के दौरान, उम्मीदवार के पास निम्नलिखित जानकारी/विवरण उपलब्ध होना चाहिए:

- एकेडमिक बैंक ऑफ क्रेडिट आईडी (एबीसी आईडी) और यूजीसी 'डीईबी-आईडी', ये दोनों आईडी आवेदकों को स्वयं बनानी होंगी।
- कृपया ध्यान दें कि एक वैध और आसानी से पहुंच योग्य ईमेल आईडी होनी चाहिए, यदि आवश्यक हो तो जेएमआई उम्मीदवार के साथ भविष्य में संचार के लिए पंजीकृत ईमेल का उपयोग कर सकता है।
- जेपीजी/जेपीईजी प्रारूप में सफेद पृष्ठभूमि (आकार में अधिकतम 100 केबी) के साथ उम्मीदवार के रंगीन पासपोर्ट आकार के फोटो की सॉफ्ट कॉपी।
- जेपीजी/जेपीईजी प्रारूप में उम्मीदवार के हस्ताक्षर की सॉफ्ट कॉपी (आकार में अधिकतम 100 केबी)

(vii) उम्मीदवार फॉर्म जमा करने की पुष्टि करने से पहले ऑनलाइन भरी गई प्रविष्टियों की सत्यता की जांच करने के लिए पूर्वावलोकन विकल्प का उपयोग कर सकते हैं। पंजीकरण जानकारी में "नाम" और "जन्मतिथि" को छोड़कर कोई भी आवश्यक सुधार फॉर्म में पंजीकरण भाग को पूरा करने/पुष्टि करने से पहले किया जा सकता है। हालाँकि, जब सभी कार्यक्रमों के लिए (परीक्षा द्वारा दिए गए) से (परीक्षा द्वारा दिए गए) के बीच सूचित किया जाएगा, तो उम्मीदवार जानकारी को संपादित करने में सक्षम होंगे, जब संपादन के लिए फॉर्म खुले होंगे। संपादन का विस्तृत दिशानिर्देश www.jmicoe.in&www.jmi.ac.in पर प्रकाशित किया जाएगा।
(viii) एक बार प्रवेश फॉर्म का पंजीकरण सफलतापूर्वक जमा हो जाने के बाद, सिस्टम ईमेल खाते को सत्यापित करने के लिए एक लिंक के साथ अद्वितीय कोड वाला एक ईमेल भेजेगा, और पंजीकृत ईमेल आईडी पर खाते तक पहुंचने के लिए लॉगिन (ईमेल आईडी), पासवर्ड भेजेगा। लिंक सत्यापन के बाद, और लॉगिन आईडी और पासवर्ड का उपयोग करके, उम्मीदवार पोर्टल पर लॉगिन कर सकते हैं और अपनी पसंद के कार्यक्रम के लिए आवेदन करने के लिए आगे बढ़ सकते हैं और लागू प्रवेश आवेदन शुल्क का भुगतान कर सकते हैं।
(ix) साइबर कैफे/किसी अन्य स्थान के माध्यम से ऑनलाइन फॉर्म जमा करने के मामले में, उम्मीदवार को दिशा-निर्देशों को पढ़ने और अपनी उपस्थिति में फॉर्म भरने और अपनी संपर्क जानकारी जैसे ईमेल तथा जहां भी आवश्यक हो मोबाइल नंबर प्रदान करने की सलाह दी जाती है ।
(x) प्रवेश पत्र भरते समय उम्मीदवार द्वारा की गई किसी भी गलती के लिए विश्वविद्यालय जिम्मेदार नहीं होगा। उम्मीदवारों को

सलाह दी जाती है कि वे दस्तावेजों के सत्यापन के समय हार्ड कॉपी लाएं। प्रवेश पोर्टल पर लॉग इन करने के बाद फॉर्म प्रिंट कर सकते हैं।

(xi) उम्मीदवार अपने आवेदन पत्र की स्थिति जेएमआई वेबसाइट www.jmi.ac.in / www.jmicoe.in पर देख सकते हैं।

7.3 आवेदन पत्र की अस्वीकृति

यदि कोई उम्मीदवार अध्ययन के समान कार्यक्रमों के लिए और किसी अन्य कारण से एक से अधिक आवेदन पत्र जमा करता है तो जामिया मिलिया इस्लामिया आवेदन पत्र को अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित रखता है।

7.4 प्रवेश निरस्तीकरण की शर्तें

(i) यदि कोई उम्मीदवार अर्हक परीक्षा(परीक्षाओं) के लिए अपना परिणाम/प्रमाणपत्र जमा करने में विफल रहता है या विश्वविद्यालय द्वारा अधिसूचित अंतिम तिथि तक किसी अन्य प्रवेश औपचारिकता को पूरा करने में विफल रहता है।

(ii) किसी भी स्तर पर, यदि उम्मीदवार द्वारा दी गई कोई भी जानकारी गलत पाई जाती है या उम्मीदवार गलत तरीके से स्वीकार किया गया है.

(iii) उम्मीदवार को सीडीओई और संबंधित शिक्षार्थी सहायता केंद्रों में प्रवेश के समय ऑनलाइन आवेदन फोरम में उल्लिखित अपने शैक्षणिक रिकॉर्ड को साबित करना होगा, अन्यथा प्रवेश नहीं मिलेगा।

(iv) ऑनलाइन प्रवेश पत्र भरना और प्रवेश पत्र जारी करना प्रवेश की गारंटी नहीं देता है

7.5 दस्तावेजों का सत्यापन और शुल्क का भुगतान

प्रवेश के समय दस्तावेजों का सत्यापन किया जाएगा। आवेदक को सत्यापन के समय कार्यक्रम शुल्क के साथ निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करने की सलाह दी जाती है-

- ऑनलाइन जमा किए गए प्रवेश आवेदन पत्र का प्रिंट आउट लें।
- हाल की 03 पासपोर्ट साइज़ तस्वीरें
- दसवीं कक्षा की मार्कशीट और प्रमाण पत्र (मूल और फोटोकॉपी)
- बारहवीं कक्षा की मार्कशीट और प्रमाण पत्र (मूल और फोटोकॉपी)
- ग्रेजुएशन मार्कशीट और सर्टिफिकेट (मूल और फोटोकॉपी)
- पोस्ट-ग्रेजुएशन मार्कशीट और सर्टिफिकेट (मूल और फोटोकॉपी), जहां भी लागू हो।
- उस संस्थान से चरित्र प्रमाण पत्र, जिसमें अंतिम बार भाग लिया था (मूल रूप में)
- जिस संस्थान में अंतिम बार भाग लिया था, वहां से प्रवासन स्थानांतरण प्रमाण पत्र (मूल रूप में)
- आधार कार्ड की प्रति
- किसी मान्यता प्राप्त बोर्ड/विश्वविद्यालय/संस्थान से योग्यता परीक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए।
- डाक पिन कोड और संपर्क टेलीफोन/मोबाइल नंबर के साथ पूर्ण पत्राचार/डाक पता (केवल बड़े अक्षरों में) का उल्लेख करें।

टिप्पणी:

(ए) जामिया मिलिया इस्लामिया सभी केंद्रीय विश्वविद्यालयों, राज्य विश्वविद्यालयों, राष्ट्रीय महत्व के संस्थानों और विदेशी विश्वविद्यालयों की डिग्री को मान्यता देता है, बशर्ते कि उनकी समकक्षता भारतीय विश्वविद्यालयों के संघ द्वारा स्थापित की गई हो।

(बी) दस्तावेजों का सत्यापन सीडीओई में ऑनलाइन मोड के माध्यम से किया जाएगा और सत्यापन के बाद पात्र पाए जाने वाले

उम्मीदवारों को प्रवेश लेने की अनुमति दी जाएगी।
(सी) यदि कोई उम्मीदवार जाली/फर्जी दस्तावेज जमा करता है, तो वह कानूनी/आपराधिक कार्यवाही के लिए उत्तरदायी होगा। (डी) सीडीओई के पास किसी भी विसंगति के लिए जांच किए गए किसी भी आवेदन पत्र को सरसरी तौर पर अस्वीकार करने का अधिकार सुरक्षित है।
(ई) जो छात्र पहले से ही एक वर्ष या उससे अधिक अवधि के कार्यक्रम में नामांकित हैं, वे भी साथ ही किसी प्रमाणपत्र/डिप्लोमा/पीजी डिप्लोमा कार्यक्रम के लिए पंजीकरण कर सकते हैं। हालाँकि, यदि दोनों कार्यक्रमों के बीच काउंसलिंग की तारीखों या परीक्षा कार्यक्रम में कोई टकराव होता है तो विश्वविद्यालय समायोजन नहीं कर सकेगा।
(एफ़) कोई भी उम्मीदवार अधिकार के रूप में प्रवेश का दावा करने का हकदार नहीं होगा।
(जी) उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे सीडीओई, जेएमआई वेबसाइट (http://jmi.ac.in/cdoe) को नियमित रूप से जांचते रहें।
(एच) दस्तावेजों के सत्यापन के बाद, छात्र ई-मेल के माध्यम से प्रदान किए जाने वाले ऑनलाइन लिंक के माध्यम से कार्यक्रम शुल्क का भुगतान करआगे बढ़ा सकते हैं।

7.6 प्रवेशोत्तर दिशानिर्देश

पहचान पत्र

- पहचान पत्र केवल उन छात्रों को जारी किया जाएगा जिनका प्रवेश सभी प्रकार से पूरा हो गया है (फीस के भुगतान के उचित सत्यापन के बाद), सीडीओई आई-कार्ड रखने वाले सीडीओई शिक्षार्थी परामर्श सत्र के दौरान और सीडीओई कॉम्प्लेक्स का दौरा करने के उद्देश्य से उक्त आईडी का उपयोग कर सकते हैं। ऑनलाइन मोड के छात्रों को आईडी कार्ड जारी नहीं किए जाएंगे।
- पहचान पत्र खो जाने की स्थिति में, छात्रों को एफआईआर दर्ज करानी होगी और उसकी प्रति रुपये के डिमांड ड्रॉफ़्ट के साथ जमा करनी होगी। डुप्लिकेट पहचान पत्र के लिए अनुरोध करने के लिए 'जामिया मिलिया इस्लामिया' के पक्ष में 'नई दिल्ली' में देय 200/- रु. का भुगतान करना होगा।
- प्रवेश पूर्ण नहीं माना जाएगा, जब तक कि उम्मीदवार के पास (सीडीओई) द्वारा जारी वैध पहचान पत्र न हो। यदि किसी छात्र के पास सीडीओई द्वारा जारी वैध पहचान पत्र नहीं है, तो प्रवेश रद्द किया जा सकता है।
- छात्रों को सलाह दी जाती है कि वे आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए सीडीओई कार्यालय या उनके संबंधित शिक्षार्थी सहायता केंद्रों से कार्यक्रम गाइड प्राप्त करें। कार्यक्रम गाइड में शैक्षणिक कैलेंडर और परामर्श, असाइनमेंट, परीक्षा और विस्तृत पाठ्यक्रम से संबंधित अन्य महत्वपूर्ण नियम शामिल हैं।

प्रवेश रद्द करना और शुल्क वापसी

प्रवेश रद्द होने की स्थिति में, शुल्क निम्नलिखित यूजीसी दिशानिर्देशों के अनुसार वापस किया जाएगा:

क्र.सं.	फीस रिफंड का प्रतिशत	प्रवेश वापस लेने की सूचना HEI में देने का समय समय बिन्दु
1	100%	प्रवेश की औपचारिक रूप से अधिसूचित अंतिम तिथि से 15 दिन या उससे पहले
2	90%	प्रवेश की औपचारिक रूप से अधिसूचित अंतिम तिथि से 15 दिन से पहले
3	80%	प्रवेश की औपचारिक रूप से अधिसूचित अंतिम तिथि के 15 दिन या उससे कम समय बाद प्रवेश
4	50%	प्रवेश की अंतिम तिथि औपचारिक रूप से अधिसूचित होने के बाद 30 दिन या उससे कम, लेकिन 15 दिन से अधिक
5	0%	प्रवेश की अंतिम तिथि औपचारिक रूप से अधिसूचित होने के 30 दिन से अधिक समय बाद

ट्रांसजेंडर उम्मीदवार

ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों से कोई प्रवेश आवेदन पत्र शुल्क और कार्यक्रम शुल्क नहीं लिया जाएगा।

महत्वपूर्ण यूआरएल

Web Portal(s)	URL
University Web Portal	https://jmi.ac.in/
Admission Home Page	https://www.jmicoe.in/
CDOE Web Page	https://jmi.ac.in/cdoe
Post Admission Notices	https://jmi.ac.in/Centre-For-Distance-And-Online-Education-(CDOE)/Notices
Academic Calendar	https://jmi.ac.in/Centre-For-Distance-And-Online-Education-(CDOE)/Academic-Calendar
UGC DEB	https://deb.ugc.ac.in/
ABC ID	https://www.abc.gov.in/
DEB ID	https://deb.ugc.ac.in/StudentDEBId
Information for Foreign Candidates	https://jmi.ac.in/ACADEMICS/International-FSA/Information-About-FSA
Fee Payment (After Admission)	https://mj.jmi.ac.in/DistanceController/DistanceFeePortal
Programme Guide	https://jmi.ac.in/Centre-For-Distance-And-Online-Education-(CDOE)/Programme-Guide
JMI Students' Handbook	https://jmi.ac.in/studentshandbook
Equivalence of Degree	https://deb.ugc.ac.in/Uploads/Notices_Upload/UGC_20220906102157_1.pdf
Guidelines for pursuing two academic Programmes	https://www.ugc.gov.in/pdfnews/5729348_Guidelines-for-pursuing-two-academic-programmes-simultaneously.pdf

Renewal and other Fee applicable for M.A. Hindi (OL and ODL Mode)

SI.NO.	M.A. Hindi (OL and ODL Mode)	Fees/Charges (Rs)
1.	Programme/Renewal Fees (to be paid for final Year)	**10000/-**
2.	Submission of Assignments with late fees up to the maximum period of 4 weeks	**100/- (Per Assignment)**
3.	Submission of Assignments in the following years (In case of absence/fail if any)	**200/- (Per Assignment)**
4.	Submission of Semester Examination form with late fees up to 4 weeks.	**250/-**
5.	Submission of Semester Examination form with late fees beyond 4 weeks up to the next 4 weeks	**600/-**
6.	Re-appearing in Semester Examination (In case of absence/fail/improvement)	**500/- (Per Paper/Course)**
7.	Re-Registration Fee* Provisional	**3000/-**
8.	Certificate Migration Certificate	**50/-**
9.	Migration Certificate	**50/- (After Passing exam)**
10.	Duplicate Statement of Marks (Attach a copy of FIR)	**200/- (Before Passing exam)**
11.	Duplicate Identity Cards (Attach a copy of FIR) Change of Address in ID Card	**200/-**
12.	Re-evaluation of (current) Answer Script	**500/- (Per Course)**
13.	Change of Programmes / Papers after collecting SLM however before the commencement of annual examinations	**1500/- (Per Programmee/Paper)**
14.	Change of medium of programme to be exercised in the application form	**1000/-**

Note: * If a candidate fails to appear in any of the prescribed components of the Programme within the stipulated period of 2 years (4 Semester) and desires to continue the Programme after the lapse one year he/she should re-register for the Programme by depositing the above-mentioned re-registration fee. The Fee once paid will not be refunded or adjusted under any circumstances.
All the fees/charges wherever, applicable will be payable only through CDOE Online Fee Payment Portal
All the aforesaid fee are subjected to revision during the academic year as per university rules.

.
.

8. फॉर्म

Centre for Distance and Open Education
JAMIA MILLIA ISLAMIA
(A Central University by an Act of Parliament)

Distance mode

Application Form for Re-registration

(Particulars should be filled in by the Candidate in his/her own handwriting)

The Hony. Director
Centre for Distance & Online Education
Jamia Millia Islamia
New Delhi-110025

Affix an attested photograph

I seek re-registration to the programme……..… (Distance Mode), Session ……..
As I could not appear in any component in the Semester……..……Session……
I certify that I am the same person who took admission in this programme in Session……

Yours Faithfully

(Signature of the Applicant)

Re-registration fee Rs. ……..…… by DD No.……Drawn on Bank
…… Dated…… is enclosed herewith.

Particulars

Candidate's Name (in Block Letters) ……
Candidate's Name in Urdu or Hindi……
Father's Name (in Block Letters): …….
Father's Name in Urdu or Hindi: ……
Present Postal Address: …….
…… Phone No. ……..
Name of the Programme Admitted…….. Semester…….. Year……
Roll No. ……. ……Enrolment No. ……. ……..
Programme Centre Code & Name……

(Office use only)

Received application form of Ms/Mr ……. Roll No. ……...
For re-registration to the programmee ……(Distance Mode) Session …….
DD No. …….. Bank ……... Date……
of Amount…….
Centre For Distance And Online Education **Dated……**

Centre for Distance and Online Education
JAMIA MILLIA ISLAMIA
(A Central University by an Act of Parliament)

Distance mode

APPLICATION FOR RE-EVALUATION OF ANSWER SCRIPT(S)

(Particulars should be filled in by the candidate in his/her own handwriting)

Name of candidates (in Block letters) ……..…
Roll No. ……. Enrolment No. ……..……..
Name of the Programme/Exam……..Part…….
(Annual 200……

Particulars of papers in which Re-evaluation is required is given below:

	Course/Paper (See Para 5 & 12)	MARKS Obtained out of	Aggregate	Result
1.	**……..**	**……**	**……**	**……**
2.	**……..**	**……..**	**……**	**……**

Note: Original Statement of Marks (Marks-sheet) together with a Photostat copy should be attached herewith.

DECLARATION:

I. I have carefully read ordinance regarding re-evaluation and I agree to abide by the same.
II. I also undertake to accept the final result to be declared by the Controller of Examinations, Jamia

Date: …….

Signature of the Candidate

Present Address: …….
…….

Amount of Fee of Rs. …….paid Vide Receipt No./DD No……
Name of the Bank …… Date……,,,,,…. (Receipt/DD attached)

(See Para 1,3 & 6 printed - verleaf)

Received application from of Mr./Ms……..…… Class ……..
(Distance Mode) for Re-evaluation.

Date ……

For Controller of Examination

ORDINANCE FOR RE-EVALUATION OF ANSWER-SCRIPTS

1. (a) Any candidate intending to apply for Re-evaluation for Answer script(s) of any Paper, Subject of his/her written examination, may do so on the prescribed app1ication form within ONE MONTH of the declaration of the result in each case.
   (b) However, the Re-evaluation of scripts will not be allowed in more than ONE-THIRD of written papers up to the maximum of three papers (whichever is less) of an Annual Examination.
2. The application for Re-evaluation shall be made once only in respect of the papers of an examination in which re-evaluation is required.
3. No application for re-evaluation shall be, entertained beyond the prescribed time limit under any circumstances whatsoever.
4. Each application for re-evaluation shall be accompanied by the "ORIGINAL STATEMENT OF MARKS issued to the candidate. The photo copy of the statement of marks/grades will be returned to the candidate after proper endorsement of the same to the effect that the candidate's result is under consideration and that he/she will accept the final result to be declared by Jamia as a result of re-evaluation applied for by him/her.
5. Re-evaluation shall not be permitted in the case of Practical Examination, internal evaluation, Viva-Voce, as also the answer scripts of any examination which have already been valued in full by joint Examiners/Board of Examiners.
6. The candidate applying for Re-evaluation shall be required to pay a fee of Rs.500/- per paper or part thereof. No refund will be made in any case.
7. The merit list, declared in the result of the respective examination will not be disturbed due to re- evaluation of scripts.
8. If there be any change in the result of the Examination due to Re-evaluation of answer scripts, no examinee can complain in the Court of Law or any action can be taken against the examiner concerned.
9. If the award of the re-evaluator varies from the original award up to and including + 5% of the maximum marks, secured earlier, the original award will stand, If a candidate secures more than + 5% and less than or equal to 20% of marks, the marks awarded by the re-evaluator will be final. if a candidate secures more than 20% of marks (plus or minus) in re-evaluation the answer- script will be sent to the 3rd examiner. The average of the marks awarded by the 2nd and 3rd examiners will be taken and it will be final.
10. All cases of re-evaluation of script shall be reported to the Examination Committee.
11. Application for re-evaluation of answer-scripts of only Annual Examination shall be accepted.
12. Answer-scripts of those who appeared for Improvement of the Division or Percentage shall be fina1 and are not subject to Re-evaluation.

NOTE:

a. Demand Draft of Rs. 500/- per course should be in favour of “Jamia Millia Islamia, New Delhi” and payable at New Delhi. Please send all the documents and demand draft for re-evaluation to “The Controller of Examinations, Jamia Millia Islamia, New Delhi.”
b. Students must fill separate forms attaching separate Demand Draft for papers of different parts.
c. Postal Charges: If the certificate / Marksheet etc is required by post then you must send your forms accompanied by a self-addressed envelope bearing Indian stamps of Rs. 45/-only.

JAMIA MILLIA ISLAMIA
(A Central University by an Act of Parliament)

APPLICATION FOR CERTIFICATE

The Controller of Examination
Jamia Millia Islamia,
New Delhi -110025

Sir,
I request you to please issue me the Certificate mentioned below. I certify that I am the same candidate who appeared at the following examination. My signature and particulars given below are attested by the Programme In-Charge / Director, Centre for Distance and Online Education/ Gazetted Officer.

Yours faithfully,

……
Signature of the Candidate

Particulars

Candidate's Name (in Block Letters) ……
Candidate's Name in Urdu or Hindi……
Father's Name (in Block Letters): ……..
Father's Name in Urdu or Hindi: ……
Present Postal Address: ……..
…… Phone No. ……..
Name of the Examination……..…….. Semester…..……... Year……
Roll No. ……Enrolment No. ……Previous Enrolment No. (if any)……
Date of admission (in the Centre for Distance and Online Education) ……..…
(To be filled when the Migration Certificate is required)
Certificate Required ……

Attested by the Director, Centre for Distance and Online Education/ The Programme Incharge / Gazetted Officer (Office Stamp)

FOR PROVISIONAL/MIGRATION, PLEASE ATTACH A PHOTOSTATE COPY (ATTESTED) OF THE MARKSHEET OF FINAL EXAMINATION	Received the Certificate mentioned above

……
Signature of the Candidate

Amount of Fee of Rs. …….. paid Vide Receipt No / DD No……
Name of the Bank ……..….Date…….(Receipt/DD attached).
I authorize…… to collect my …….. Certificate.
The Specimen Signature of Messenger is given below:

…….. ……
Specimen Signature od Messenger Signature of the Candidate

Received application form of Mr./ Ms…….……Class… (Distance Mode) for ……. Certificate.
Date…… **For Controller of Examination**

FEES FOR ISSUING MIGRATION, PROVISIONAL & OTHER CERTIFICATES

		RUPEES
1.	PROVISIONAL CERTIFICATE	50
2.	DUPLICATE MARKSHEET / MIGRATION / PROVISIONAL (For above – mentioned Duplicate Certificate attach a copy of F.I.R)	200
3.	MIGRATION CERTIFICATE	
	a) After passing the examination for which the applicant was studying	50
	b) Before passing the examination for which the applicant was studying	200

4. CHANGE OF NAME:
   A student applying for change of his/her name in the Register of students shall submit his/her application to the Controller of Examinations accompanied by:
   a. The prescribed fee Rs. 150/- by demand draft.
   b. An affidavit relating to his / her present and proposed name, duly sworn in the presence of a Magistrate by himself/herself.
   c. A publication from a newspaper in which the proposed change of name has been advertised. However the provision relating to publication shall not be applicable in case where a woman candidate is wanting to change her name following her marriage.

The Examination Committee on considering such applications and taking decisions thereon shall report to the Majlis-I-Talimi (Academic Council)

Minimum Time required (working days)

a. Provisional Certificate	20 days
b. Migration	20 days
c. Duplicate Marksheet	20 days
d. Change of Name	6-7 days

TIME REQUIRED FOR PREPARATIONS/ISSUE OF THE MARKSHEET /CERTIFICATE PROVIDED ALL OTHER REQUIRED DOCUMENTS ARE ATTACHED.

Note:

a. Old cases of more than 3 years will require more time.
b. Students must fill separate forms and attach separate Demand Drafts for each certificate to be issued.
c. Demand Draft of an appropriate amount per certificate etc. should be in favour of " Jamia Millia Islamia". and payable at New Delhi . Please send all the documents and demand draft for the required certificates to "The Controller of Examinations, Jamia Millia Islamia, Jamia Nagar, New Delhi-110025".
d. Postal Charges: If the Certificate Marksheets etc is required by post, then you must send your form accompanied by a self-addressed envelope bearing Indian Postal Stamps of Rs. 30/- Only.

JAMIA MILLIA ISLAMIA
(A Central University by an Act of Parliament)

FOR ISSUE OF DEGREE/DIPLOMA/CERTIFICATE

Affix an attested photograph

The Controller of Examination
Jamia Millia Islamia,
New Delhi-110025

I request you to please issue me the Degree/Diploma/Certificate mentioned below. I certify that I am the same candidate who appeared at the following examination. My particulars are as follows

Candidate's Name (in Block Letters) ……………….……………….………….…………………….…………..
Candidate's Name in Hindi or Urdu…………………...………………………..…………………….………….
Father's Name (in Block Letters)…..………………………..………………..……………..
Father's Name in Hindi or Urdu……………………………………………………………….…………...
Mother's Name ……………………………….………………..………….……………………….………......
Present Postal Address……………………………………………………………………………………..
…………………………………………………………….. Phone / Mobile No………………………………
Name of the Examination …………………………………… Semester………………….Year ………..……
Roll No. ….……… Enrolment No………….……. Previous Enrolment No if any…………......….……………

Verified from the records and certified that Mr./ Ms………………….…………………… whose signature & photograph are attested above, has signed In my presence and is a genuine candidate. He/She has no dues.

Yours Faithfully,

…………………………
(Signature of Candidate)

Signature with Seal
Dean/ Principal/Headmaster/Director (Concerned)

Received the Degree/Diploma/ Certificate

Candidate/ Messenger Signature with Date

I authorize …………………………………… to collect my above mentioned Degree/Diploma/Certificate.

The Specimen Signature of Messenger is given below:

Specimen Signature of Messenger

(Signature of Candidate)

(See instruction overleaf)

INSTRUCTIONS

1. Attach photocopies of marks sheets of all years examination (passed) (in case of improvement, attach a photocopy of improved marksheet).
2. If the course is completed in more than minimum duration of course, attach photocopy of the combined marks sheet.
3. Photocopy of notification in case of Ph.D. Degree
4. The Candidate / Messenger must show his /her Identity at the time of receiving the degree/diploma/certificate.

Issue of Duplicate Degree / Diploma / Certificate:

Duplicate degree/diploma/ certificate can also be obtained on submitting an application along with the following:

1. An affidavit signed and certified by the First Class Magistrate
2. Cutting from the leading newspaper showing that the original has been lost or destroyed, or submit defaced/remaining portion of degree/diploma/certificate.
3. Prescribed fee of Rs. 100/-

Time required for preparation/issue of the certificate provided all other required documents are attached.

Degree / Diploma / Certificate	30days
Duplicate Degree / Diploma / Certificate	60 days

Note: Old cases of more than 5 year will require more time.

I have read all above mentioned instruction carefully. I will abide by the rules and regulations or any instruction s given by Examination Department.

……

Signature

Candidate / authorized person

Form 'A'
Jamia Millia Islamia, New Delhi
Particulars of Forms A, B & C to be filled in by the candidate in his/her own handwriting

Examination: ..... (Distance Mode)
Part I/II Year.....

Roll No. .....
Enrolment No. .....
LSC Code No.....

The Controller of Examination
Jamia Millia Islamia
New Delhi – 110025

I request you to permit me to appear at the examination noted above. The examination fee has been deposited. I declare that I have not been debarred by any University or Board from taking any examination during the above-mentioned year and that the entries made by me on the forms A, B, & C (attached) are true to the best of my knowledge and belief. I agree to abide by the Statutes, Ordinances and regulations existing and amended from time to time.

Candidate's Photograph To be pasted here

Yours Faithfully,

Signature of Candidate

Date: ……

Photo & Signature to be attested by the Hony. Director Centre for Distance & Online Education, Jamia Millia Islami

---

Course in which he/she wishes to be examined (Mentioned option of Courses, if any). Title of Courses

Course Code	Course Title

.....
Specimen signature of the candidate (in full)

1. Name of the Candidate (BLOCK LETTERS……
2. Date of Birth (in words).....
3. Place of Birth.....Nationality.....
   Town Distt. State
4. Father's Name.....Occupation.....
5. (Present) Address.....

   …….....
6. Enrolment No.....Medium of Examination.....
7. Whether you belong to SC/ST/PH.....

Declaration:

I hereby solemnly affirm that I have submitted/will submit all the required number of assignments prescribed for the above course(s) within the deadlines prescribed by the University, to the appropriate authority for evaluation.
I am aware that submission of assignments prescribed for these courses is a pre-requisite for taking Term-End- Examination. In case my above statement regarding submission of assignment is found to be untrue, the University may cancel the result of my above mentioned Term-End-Examination and I undertake that I shall have no claim whatsoever in this regard. I also undertake that I shall abide by the decision, rules and regulations of University. I have signed this undertaking on this..... day of.....

.....
Signature of the Candidate

Declaration:

I hereby declare that all the entries made in the form and copies of documents attached herewith are correct to the best of my knowledge. If any falsification is found in this connection, the Jamia Millia Islamia has the right to cancel the examination at any time.

.....
Signature of Candidate

.....
Signature of Father/Mother/Guardian

CERTIFICATE

Certified that the above named student is a Distance Mode student. His /her conduct is satisfactory and that he/she is eligible to appear at the examination noted above. The information furnished by him/her on Forms A, B and C is correct. Photographs & Signatures of the candidate on forms A, B and C are attested.

Date ....

Hony. Director
Centre for Distance & Open Learning

To be filled if applicant:

Fee of Rs..... paid vide DD No.....
Name of the Bank ..... Date ..... DD is attached.

Note: Required for Clear-Remaining/Improvement of Result papers etc. Please read Programme Guide for fee and rule.

Form 'B'
Admit Card
Jamia Millia Islamia, New Delhi

Examination: ..... (Distance Mode)
Part I/II Year.....

Roll No. .....
Enrolment No. .....
LSC Code No.....

Affix your recent photo (Size 2x1.5) attested by the Director, Centre for Distance and Online Education or by the Programme Incharge. Photograph should be pasted with gum and not stapled or pinned.

1. Name of the Candidate (BLOCK LETTERS……
2. Father's Name.....
3. Examination …….. Semester ……
4. Roll No. …… Enrolment No. ……
5. Medium of Examination..... Category ……..
6. LSC Code No. ……

All Courses/Papers in which the candidate wishes to appear this year

Course Code	Course Title	Course Code	Course Title

……..
Signature of the Candidate

……
Hony. Director

……
Specimen Signature of the Candidate

Note:

a. The Examination will be held according to the 'Scheme of Examination' (Date Sheet) placed on the Notice Board of the Centre for Distance and Online Education Office and Controller of Examination, Jamia Millia Islamia and the Programme Centre
b. Candidate must bring his/her own pen, pencil and identity card etc.
c. Order of the question papers given in the date sheet shall not be guaranteed. (d) Read carefully and follow the 'Instructions for Candidates' (Printed overleaf)

Form 'C'
Jamia Millia Islamia, New Delhi
STUDENT's RECORD CARD
(To be filled in by the applicant in his /her own handwriting**)**

Examination/programme: .... Year ………………….Distance Mode

Name of the Candidate (in Block Letters) ....……………………..
Marital Status: Married……Unmarried…. Gender: Male……Female… Transgender………..
Name in Urdu or in Hindi ….………………….……………...…………..…………………
Father's Name...
Permanent Address……………………………………………………………………………..
……………………………………………………………………………………………
Present Address ……………………………………………………………………………….
Date of Birth ……………………….. (In words also)…………………………………………
Place of Birth ………………………………………….. Nationality ………………………
Date of Admission (Present Programme) ……………………………………….…………..
Medium of Examination: Urdu ………… Hindi ………..… English ………....
Member of Schedule Caste …… Schedule Tribe or…… Physically Handicapped ….………
Enrolment No. ………………………………………………………………………………

Certificate Issued (Office Use only)	Programme	Year
	………………	……………….
Provisional ……………..	………………	………………
Migration ……………….	………………	……………...
Degree/ Diploma ………..	……………….	……………..
Age ………………………	………………..	……………….
Merit ……………………		

Paste Firmly within the space Provided, a recent passport size (3x2") photograph duly attested on the front side

I hereby declare that all the entries made in this card are correct to the best of my knowledge.

Date: ……………………… ………………………….
Specimen Signature of the Candidate

Date: ……………………… …………………………….
Hony. Director

Centre for Distance and Online Education
Jamia Millia Islamia, New Delhi - 110025